

21 से 27 सितंबर तक
पुस्तक मेला, 3400
किताबों पर 50% छूट

भोपाल। अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य की रचनाओं का विशाल पुस्तक मेला 21 से 27 सितंबर तक आग्र श्री गार्डन, कोलार में लगाया जाएगा। संस्थापिका व संरक्षिका वंदनी माता भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित मेले में पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित करीब 3400 पुस्तकों का संग्रह उपलब्ध रहेगा। खास बात यह है कि सभी पुस्तकों पर 50% की छूट दी जाएगी। मेला प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक खुला रहेगा। गायत्री परिवार के अनुसार आचार्य द्वारा अध्यात्म, विज्ञान, जीवन प्रबंधन और समाज से जुड़े विभिन्न विषयों पर साहित्य लिखा गया है। मेले में पाठकों को अपनी रुचि और आवश्यकता के अनुसार पुस्तकें चुनने का अवसर मिलेगा।

अनुकम्पा नियुक्ति के दस्तावेज पूरे करने के दिशा-निर्देश

भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल में पेंशनर शिकायत निवारण एवं अनुकम्पा नियुक्ति शिविर लगाया गया। पेंशनर शिकायत निवारण शिविर में ऑल इंडिया रिटायर्ड मेन्स फेडरेशन के प्रतिनिधियों ने पेंशनभोगियों की 8 शिकायतें दर्ज कराईं। निराकरण के लिए कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। वहीं, पहले प्राप्त शिकायतों के निराकरण की स्थिति से भी प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया। अनुकम्पा नियुक्ति के लंबित मामलों के लिए आयोजित शिविर में 16 प्रभावित परिवारों को जरूरी परिवारों की हरसंभव मदद करने के निर्देश दिए गए। शिविर में अपर मंडल रेल प्रबंधक अभिराम खरे, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी विजय सिंह, सहायक कार्मिक अधिकारी रजनीश कुमार, वाई.बी. गुप्ता सहित ओबीसी एसोसिएशन के पदाधिकारी पुष्प यादव और अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

शिकारी सलमान की जमानत याचिका तीसरी बार खारिज

भोपाल। मप्र स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स की ओर से काले हिरण और चिकारा के शिकार के मामले में मुंबई निवासी आरोपी सलमान की तीसरी जमानत याचिका मप्र उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ ने खारिज कर दी है।

यूपीआई पर एमडीआर के विरोध में भोपाल चेंबर के मुखर स्वर

वित्तीय पदाधिकारियों को पत्र भेजकर जीरो एमडीआर की मांग

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने 2,000 से अधिक के निर्दिष्ट व्यापारी यूपीआई लेन-देन पर लागू मचैट डिस्काउंट रेट को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए व्यापारियों के लिए जीरो एमडीआर यूपीआई व्यवस्था बनाए रखने का मांग की है। इस संबंध में चेंबर अध्यक्ष गोविंद गोयल की ओर से पीएम, केंद्रीय वित्त मंत्री, मप्र के राज्यपाल, मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा वित्त मंत्री देवड़ा को पत्र भेजकर इस विषय में

प्राचार्य ने हिंदी की महत्ता को किया रेखांकित

एसपीएम कॉलेज में हिंदी पखवाड़े के तहत हिंदी दिवस का आयोजन



हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

राजधानी स्थित शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकाश एवं स्वामी विवेकानंद प्रकाश मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी पखवाड़ा के तहत हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. सुधीर शर्मा,

भोपाल के राजा को चढ़ा 56 भोग



हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

राजधानी भोपाल में गणपति उत्सव को लेकर भक्ति का माहौल बना हुआ है। जगह-जगह लगी गणेश प्रतिमाओं के पंडालों में सुबह-शाम पूरे नियमों से पूजा और आरती की जा रही है। पूजा के दौरान श्रद्धालु पूरे जोश के साथ गणपति बप्पा मोरया के नारे लगा रहे हैं। गणेश जी के दर्शन और पूजा के लिए बड़ी संख्या में लोग पंडालों में पहुंच रहे हैं। आरती के समय पंडालों में भक्तों की भीड़ लग जाती है, जिससे पूरा माहौल भक्ति से भर जाता है। महिलाएं, पुरुष और बच्चे सब मिलकर गणपति बप्पा की पूजा कर रहे हैं और सुख-समृद्धि मांग रहे हैं।

जन्म भयो बृजभान की लाली को... महिलाओं ने किया दही हांडी नृत्य

राधा अष्टमी: राधा-कृष्ण मंदिरों में मनाया उत्सव, शोभायात्रा में धरा भगवान का रूप

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

शनिवार को श्री राधा अष्टमी पर विभिन्न श्रीकृष्ण मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की गई। कृष्ण मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रीराधा जी का पंचामृत व दिव्य औषधियों से अभिषेक कर उन्हें नई पोशाक धारण करवाई गई। बधाई गीत 'आज जन्म भयो बृजभान की लाली को...' की गूंज से मंदिर परिसर गूंज उठा। महिलाओं ने सिर पर दही

हांडी रखकर नृत्य किया। श्रद्धालुओं के बीच खिलौने, मखाने, डाई फ्रूट व मिष्ठान लुटया गया। शीतला माता मंदिर टीला जमालपुरा मंदिर के पुजारी श्रीहरि जोशी ने बताया कि मंदिर में राधारानी का पंचामृत से अभिषेक और विशेष श्रृंगार किया गया। उन्होंने पालने में झुलाया गया और दही कांदा उत्सव मनाया गया। सोंठ के लड्डू और राजगीर की पंजीरी का भोग लगाया गया। दोपहर से देर शाम तक महिलाओं द्वारा भजन-कीर्तन किया गया। इसके बाद महाआरती व श्रद्धालुओं के लिए भोजन-प्रसादी वितरण किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद थे। इसी तरह मावाड़ी रोड स्थित राधा कृष्ण मंदिर में सुबह विशेष पूजा-पाठ की गई। इस मौके आंवला, चंदन, सुगंधित तेल, इत्र से स्नान कराया गया। इसके बाद प्रभुश्री और राधाजी का भव्य श्रृंगार किया गया। इसी तरह लखेरगुफा मंदिर में विशेष पूजन-अनुष्ठान किया गया। ठाकुर जी और राधा जी को राजभोग लगाया गया। इस दौरान बधाई गीत गाए गए।

यूपीआई पर एमडीआर के विरोध में भोपाल चेंबर के मुखर स्वर

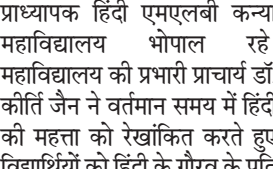
वित्तीय पदाधिकारियों को पत्र भेजकर जीरो एमडीआर की मांग

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने 2,000 से अधिक के निर्दिष्ट व्यापारी यूपीआई लेन-देन पर लागू मचैट डिस्काउंट रेट को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए व्यापारियों के लिए जीरो एमडीआर यूपीआई व्यवस्था बनाए रखने का मांग की है। इस संबंध में चेंबर अध्यक्ष गोविंद गोयल की ओर से पीएम, केंद्रीय वित्त मंत्री, मप्र के राज्यपाल, मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा वित्त मंत्री देवड़ा को पत्र भेजकर इस विषय में

प्राचार्य ने हिंदी की महत्ता को किया रेखांकित

एसपीएम कॉलेज में हिंदी पखवाड़े के तहत हिंदी दिवस का आयोजन



हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

राजधानी स्थित शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकाश एवं स्वामी विवेकानंद प्रकाश मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी पखवाड़ा के तहत हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. सुधीर शर्मा,

राजधानी में चारों ओर गूंज रहे गणपति बप्पा मोरया के जयकारे गणेश पंडालों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, भक्तिमय हुआ माहौल

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

राजधानी भोपाल में गणपति उत्सव को लेकर भक्ति का माहौल बना हुआ है। जगह-जगह लगी गणेश प्रतिमाओं के पंडालों में सुबह-शाम पूरे नियमों से पूजा और आरती की जा रही है। पूजा के दौरान श्रद्धालु पूरे जोश के साथ गणपति बप्पा मोरया के नारे लगा रहे हैं। गणेश जी के दर्शन और पूजा के लिए बड़ी संख्या में लोग पंडालों में पहुंच रहे हैं। आरती के समय पंडालों में भक्तों की भीड़ लग जाती है, जिससे पूरा माहौल भक्ति से भर जाता है। महिलाएं, पुरुष और बच्चे सब मिलकर गणपति बप्पा की पूजा कर रहे हैं और सुख-समृद्धि मांग रहे हैं।

भोपाल के राजा को चढ़ा 56 भोग।

अनंत चतुर्दशी से पहले तैयारियां पूरी

गणेश विसर्जन चल समारोह मार्ग का निरीक्षण, दिए निर्देश

सड़क, बिजली, यातायात और सफाई व्यवस्था का लिया जायजा



हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

गणेश विसर्जन चल समारोह को लेकर शनिवार को प्रशासन और श्री हिंदू उत्सव समिति के पदाधिकारियों ने समारोह रास्तों का निरीक्षण किया। दोपहर 12:30 बजे सेंट्रल लाइब्रेरी और भारत टॉकीज चौराहे से शुरू हुए निरीक्षण के दौरान सड़क, बिजली, यातायात, सफाई और अतिक्रमण समेत अन्य व्यवस्थाओं को देखा गया। जहां भी सुधार की जरूरत मिली, वहां संबंधित विभाग के अधिकारियों को व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए।

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

महालक्ष्मी उत्सव का हुआ समापन

महाराष्ट्रीयन समाज के ढाई दिवसीय महालक्ष्मी उत्सव का शनिवार को समापन हो गया। मायके से मां महालक्ष्मी की विदाई हुई। इस दौरान हल्दीकुमकुम और सुहाग की सामग्री महिलाओं ने एक-दूसरे को मेट की और महालक्ष्मी की विशेष पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की। साथ ही अगले साल जल्दी आने का आभारंग भी दिया। परम्परा अनुसार ढाई दिन के लिए ज्येष्ठ और कनिष्ठ ढे बहनें महालक्ष्मी के रूप में महाराष्ट्रीयन परिवारों में आती हैं।

करोंद मंडी में नए सोयाबीन का श्रीगणेश

श्री वल्लभ ट्रेडर्स को मिली पहली उपज

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

राजधानी की करोंद कृषि उपज मंडी में नई सोयाबीन की आवक के साथ इस सीजन का श्रीगणेश हो गया है। मंडी में नई सोयाबीन की पहली उपज 6651 की रही, जिसे श्री वल्लभ ट्रेडर्स ने खरीदा। नई सोयाबीन की आवक से मंडी में कारोबारियों और किसानों के बीच उत्साह का माहौल है। सीजन की पहली उपज पहुंचने के साथ ही अब आने वाले दिनों में सोयाबीन की आवक बढ़ने की उम्मीद है। मंडी में नई

एमपी-सीजी यूनिट के अनुशासन, एकजुटता एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना

फाइव डे बैंकिंग एवं फेयर पीएलआई पॉलिसी के क्रियान्वयन की उठी मांग



हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन, मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ यूनिट की क्लस्टर मीटिंग होटल मेपल, होशंगाबाद रोड में हुई, जिसमें भोपाल जोन से लगभग 250 बैंक अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ पदाधिकारी अध्यक्ष कॉमरेड अमित गुप्ता, महासचिव कुलदीप स्वर्णकार, कोषाध्यक्ष विजय राघवन, कार्यकारी अध्यक्ष मनोज पुंडलिक तथा उपाध्यक्षगण सुमित तिवारी एवं संजय सिंह शामिल थे। इस दौरान डेलिगेट सेशन में फेडरेशन ऑफ बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन्स के महासचिव नीलेश पवार, फोल्ड जनरल मैनेजर, बैंक ऑफ इंडिया, संजय श्रीवास्तव तथा भोपाल जोन के

आंचलिक प्रबंधक बिकाश रंजन पटनायक विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में अधिकारियों ने अपनी चिंताओं एवं आकांक्षाओं को स्पष्टता एवं दृढ़ता के साथ रखा। यूनियन नेतृत्व ने पिछले वर्ष के दौरान एमपीसीजी यूनिट द्वारा दिखाए गए अनुशासन, एकजुटता एवं निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।



भोपाल के राजा को चढ़ा 56 भोग।

अनंत चतुर्दशी से पहले तैयारियां पूरी

गणेश विसर्जन चल समारोह मार्ग का निरीक्षण, दिए निर्देश

सड़क, बिजली, यातायात और सफाई व्यवस्था का लिया जायजा



हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

गणेश विसर्जन चल समारोह को लेकर शनिवार को प्रशासन और श्री हिंदू उत्सव समिति के पदाधिकारियों ने समारोह रास्तों का निरीक्षण किया। दोपहर 12:30 बजे सेंट्रल लाइब्रेरी और भारत टॉकीज चौराहे से शुरू हुए निरीक्षण के दौरान सड़क, बिजली, यातायात, सफाई और अतिक्रमण समेत अन्य व्यवस्थाओं को देखा गया। जहां भी सुधार की जरूरत मिली, वहां संबंधित विभाग के अधिकारियों को व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए।

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

महालक्ष्मी उत्सव का हुआ समापन

महाराष्ट्रीयन समाज के ढाई दिवसीय महालक्ष्मी उत्सव का शनिवार को समापन हो गया। मायके से मां महालक्ष्मी की विदाई हुई। इस दौरान हल्दीकुमकुम और सुहाग की सामग्री महिलाओं ने एक-दूसरे को मेट की और महालक्ष्मी की विशेष पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की। साथ ही अगले साल जल्दी आने का आभारंग भी दिया। परम्परा अनुसार ढाई दिन के लिए ज्येष्ठ और कनिष्ठ ढे बहनें महालक्ष्मी के रूप में महाराष्ट्रीयन परिवारों में आती हैं।

करोंद मंडी में नए सोयाबीन का श्रीगणेश

श्री वल्लभ ट्रेडर्स को मिली पहली उपज

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

राजधानी की करोंद कृषि उपज मंडी में नई सोयाबीन की आवक के साथ इस सीजन का श्रीगणेश हो गया है। मंडी में नई सोयाबीन की पहली उपज 6651 की रही, जिसे श्री वल्लभ ट्रेडर्स ने खरीदा। नई सोयाबीन की आवक से मंडी में कारोबारियों और किसानों के बीच उत्साह का माहौल है। सीजन की पहली उपज पहुंचने के साथ ही अब आने वाले दिनों में सोयाबीन की आवक बढ़ने की उम्मीद है। मंडी में नई

एमपी-सीजी यूनिट के अनुशासन, एकजुटता एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना

फाइव डे बैंकिंग एवं फेयर पीएलआई पॉलिसी के क्रियान्वयन की उठी मांग



हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन, मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ यूनिट की क्लस्टर मीटिंग होटल मेपल, होशंगाबाद रोड में हुई, जिसमें भोपाल जोन से लगभग 250 बैंक अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ पदाधिकारी अध्यक्ष कॉमरेड अमित गुप्ता, महासचिव कुलदीप स्वर्णकार, कोषाध्यक्ष विजय राघवन, कार्यकारी अध्यक्ष मनोज पुंडलिक तथा उपाध्यक्षगण सुमित तिवारी एवं संजय सिंह शामिल थे। इस दौरान डेलिगेट सेशन में फेडरेशन ऑफ बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन्स के महासचिव नीलेश पवार, फोल्ड जनरल मैनेजर, बैंक ऑफ इंडिया, संजय श्रीवास्तव तथा भोपाल जोन के

आंचलिक प्रबंधक बिकाश रंजन पटनायक विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में अधिकारियों ने अपनी चिंताओं एवं आकांक्षाओं को स्पष्टता एवं दृढ़ता के साथ रखा। यूनियन नेतृत्व ने पिछले वर्ष के दौरान एमपीसीजी यूनिट द्वारा दिखाए गए अनुशासन, एकजुटता एवं निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

राजधानी में चारों ओर गूंज रहे गणपति बप्पा मोरया के जयकारे गणेश पंडालों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, भक्तिमय हुआ माहौल

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

राजधानी भोपाल में गणपति उत्सव को लेकर भक्ति का माहौल बना हुआ है। जगह-जगह लगी गणेश प्रतिमाओं के पंडालों में सुबह-शाम पूरे नियमों से पूजा और आरती की जा रही है। पूजा के दौरान श्रद्धालु पूरे जोश के साथ गणपति बप्पा मोरया के नारे लगा रहे हैं। गणेश जी के दर्शन और पूजा के लिए बड़ी संख्या में लोग पंडालों में पहुंच रहे हैं। आरती के समय पंडालों में भक्तों की भीड़ लग जाती है, जिससे पूरा माहौल भक्ति से भर जाता है। महिलाएं, पुरुष और बच्चे सब मिलकर गणपति बप्पा की पूजा कर रहे हैं और सुख-समृद्धि मांग रहे हैं।

भोपाल के राजा को चढ़ा 56 भोग।

अनंत चतुर्दशी से पहले तैयारियां पूरी

गणेश विसर्जन चल समारोह मार्ग का निरीक्षण, दिए निर्देश



हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

गणेश विसर्जन चल समारोह को लेकर शनिवार को प्रशासन और श्री हिंदू उत्सव समिति के पदाधिकारियों ने समारोह रास्तों का निरीक्षण किया। दोपहर 12:30 बजे सेंट्रल लाइब्रेरी और भारत टॉकीज चौराहे से शुरू हुए निरीक्षण के दौरान सड़क, बिजली, यातायात, सफाई और अतिक्रमण समेत अन्य व्यवस्थाओं को देखा गया। जहां भी सुधार की जरूरत मिली, वहां संबंधित विभाग के अधिकारियों को व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए।

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

महालक्ष्मी उत्सव का हुआ समापन

महाराष्ट्रीयन समाज के ढाई दिवसीय महालक्ष्मी उत्सव का शनिवार को समापन हो गया। मायके से मां महालक्ष्मी की विदाई हुई। इस दौरान हल्दीकुमकुम और सुहाग की सामग्री महिलाओं ने एक-दूसरे को मेट की और महालक्ष्मी की विशेष पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की। साथ ही अगले साल जल्दी आने का आभारंग भी दिया। परम्परा अनुसार ढाई दिन के लिए ज्येष्ठ और कनिष्ठ ढे बहनें महालक्ष्मी के रूप में महाराष्ट्रीयन परिवारों में आती हैं।

करोंद मंडी में नए सोयाबीन का श्रीगणेश

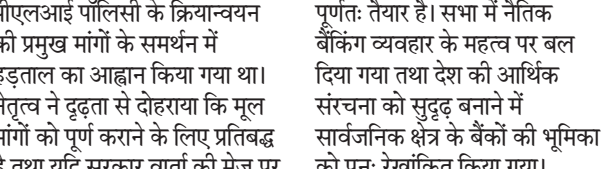
श्री वल्लभ ट्रेडर्स को मिली पहली उपज

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

राजधानी की करोंद कृषि उपज मंडी में नई सोयाबीन की आवक के साथ इस सीजन का श्रीगणेश हो गया है। मंडी में नई सोयाबीन की पहली उपज 6651 की रही, जिसे श्री वल्लभ ट्रेडर्स ने खरीदा। नई सोयाबीन की आवक से मंडी में कारोबारियों और किसानों के बीच उत्साह का माहौल है। सीजन की पहली उपज पहुंचने के साथ ही अब आने वाले दिनों में सोयाबीन की आवक बढ़ने की उम्मीद है। मंडी में नई

एमपी-सीजी यूनिट के अनुशासन, एकजुटता एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना

फाइव डे बैंकिंग एवं फेयर पीएलआई पॉलिसी के क्रियान्वयन की उठी मांग



हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन, मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ यूनिट की क्लस्टर मीटिंग होटल मेपल, होशंगाबाद रोड में हुई, जिसमें भोपाल जोन से लगभग 250 बैंक अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ पदाधिकारी अध्यक्ष कॉमरेड अमित गुप्ता, महासचिव कुलदीप स्वर्णकार, कोषाध्यक्ष विजय राघवन, कार्यकारी अध्यक्ष मनोज पुंडलिक तथा उपाध्यक्षगण सुमित तिवारी एवं संजय सिंह शामिल थे। इस दौरान डेलिगेट सेशन में फेडरेशन ऑफ बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन्स के महासचिव नीलेश पवार, फोल्ड जनरल मैनेजर, बैंक ऑफ इंडिया, संजय श्रीवास्तव तथा भोपाल जोन के

आंचलिक प्रबंधक बिकाश रंजन पटनायक विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में अधिकारियों ने अपनी चिंताओं एवं आकांक्षाओं को स्पष्टता एवं दृढ़ता के साथ रखा। यूनियन नेतृत्व ने पिछले वर्ष के दौरान एमपीसीजी यूनिट द्वारा दिखाए गए अनुशासन, एकजुटता एवं निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

आंचलिक प्रबंधक बिकाश रंजन पटनायक विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में अधिकारियों ने अपनी चिंताओं एवं आकांक्षाओं को स्पष्टता एवं दृढ़ता के साथ रखा। यूनियन नेतृत्व ने पिछले वर्ष के दौरान एमपीसीजी यूनिट द्वारा दिखाए गए अनुशासन, एकजुटता एवं निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

आंचलिक प्रबंधक बिकाश रंजन पटनायक विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में अधिकारियों ने अपनी चिंताओं एवं आकांक्षाओं को स्पष्टता एवं दृढ़ता के साथ रखा। यूनियन नेतृत्व ने पिछले वर्ष के दौरान एमपीसीजी यूनिट द्वारा दिखाए गए अनुशासन, एकजुटता एवं निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।



बिटुन मार्केट बस स्टॉप पर सीवेज के बीच ई-बस का इंतजार करते यात्री।

ई-बसें आधुनिक, बस स्टॉप अब भी फटेहाल

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

भोपाल में सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक बनाने के लिए ई-बसों की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है। शहर में अब 40 ई-बसें चल रही हैं और जल्द ही पांच और बसें जुड़ने वाली हैं। नए रूटों से यात्रियों को शहर से मंडीदीप तक सीधी कनेक्टिविटी भी मिल रही है, लेकिन इन नई बसों के सामने पुराने और बदहाल बस स्टॉप व्यवस्था की बड़ी समस्या खड़ी है।

शहर में 40 ई-बसें दौड़ी, लेकिन यात्रियों के लिए बस स्टॉप पर सुविधाएं नदारद

यात्रियों की सुविधा के केंद्र बिटुन मार्केट में सीवेज, बदबू बनी परेशानी



40 किमी के दायरे में 15 से 17 स्टॉप

शहर में करीब 40 किलोमीटर के प्रमुख सड़कों पर 15 से 17 बस स्टॉप हैं, लेकिन गिने-चुने स्टॉप को छोड़ दें तो अधिकांश जगह यात्रियों को मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है। कहीं बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है तो कहीं शेड की हालत खराब है। कई स्थानों पर साफ-सफाई और पेयजल की व्यवस्था भी सचालों के घेरे में है।

बिटुन मार्केट में सीवेज से परेशान

बिटुन मार्केट बस स्टॉप की स्थिति सबसे ज्यादा खराब नजर आती है। यहां बस स्टॉप के आसपास सीवेज बह रहा है। इसी स्थान से ई-बस रोजाना करीब आठ चक्कर लगाती है और बड़ी संख्या में यात्री बस का इंतजार करते हैं। इसके बावजूद सीवेज की समस्या दूर करने के लिए प्रभावी व्यवस्था नजर नहीं आ रही है। यात्रियों को गंदे पानी और बदबू के बीच बस का इंतजार करना पड़ रहा है।

बसें आधुनिक व्यवस्था पुराने ढर्रे पर ही...

ई-बसों के संचालन और नए रूट शुरू करने पर जोर दिया जा रहा है, लेकिन यात्रियों के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाओं पर उतना ध्यान नहीं दिया जा रहा। बस स्टॉप पर न पर्याप्त शेड हैं, न बैठने की समुचित व्यवस्था और कई जगह सफाई भी नियमित नहीं है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब शहर में आधुनिक ई-बसों का बेड़ा लगातार बढ़ाया जा रहा है, लेकिन यात्रियों के लिए बस स्टॉप की बुनियादी सुविधाएं अब भी वही।

भोपाल में 75 के पार पहुंची स्वाइन फ्लू मरीजों की संख्या स्वाइन फ्लू: बुजुर्ग की मौत के बाद भी जेपी हमीदिया में नहीं हो रही एच1एन1 की जांच

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

राजधानी भोपाल में स्वाइन फ्लू (एच1एन1) संक्रमण से 80 वर्षीय बुजुर्ग की मौत होने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग को कोई परवाह नहीं है। लापरवाही का आलम यह है कि स्वाइन फ्लू पॉजिटिव मरीजों की 75 के पार पहुंच गई है, लेकिन राजधानी में मॉडल अस्पताल जेपी और हमीदिया अस्पताल में एच1एन1 की जांच ही शुरू नहीं हो सकी है। हमीदिया हो या फिर जेपी अस्पताल में जांच किट उपलब्ध नहीं होने से मरीजों की जांच के लिए निजी अस्पताल में जाना पड़ रहा है।

बता दें कि रोजाना जेपी, हमीदिया और एम्स की ओपीडी में रोज करीब 10 हजार मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें लगभग 50 प्रतिशत मरीजों में गले में खराश, खांसी, बुखार, नाक बहना और थकान जैसे लक्षण बताए जा रहे हैं। यानी रोज करीब छह हजार मरीज वायरल या रैस्पेरेटरी संक्रमण जैसे लक्षणों से पीड़ित हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब संक्रमण के पॉजिटिव केस सामने आ चुके हैं, तब भी सरकारी स्तर पर एच1एन1 की जांच व्यवस्था नियमित रूप से क्यों शुरू नहीं हुई है।



एक घर में एक मरीज, दो-तीन दिन में दूसरे सदस्य भी बीमार

डॉक्टरों के अनुसार घर के एक सदस्य को गले में खराश, खांसी और बुखार होने के दो-तीन दिन बाद दूसरे सदस्यों में भी इसी तरह के लक्षण शुरू हो जाते हैं। फिलहाल इंप्लूएन्जा ए (एच1एन1), इंप्लूएन्जा बी के साथ एडिनोवायरस और रैस्पेरेटरी सिंसियल वायरस जैसे संक्रमण सक्रिय हो सकते हैं। इन सभी के शुरूआती लक्षण काफी हद तक एक जैसे होते हैं।

राजधानी के बड़े अस्पतालों के हाल

हमीदिया में जांच किट उपलब्ध नहीं

जांच किट नहीं होने से एच1एन1 की जांच नहीं हो रही है। जीएम्सी के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की एचओडी डॉ. दीप्ति चौरसिया ने बताया कि जल्द ही जांच के लिए किट आने की सूचना है और किट उपलब्ध होते ही जांच शुरू की जाएगी।

हर मरीज की जांच जरूरी नहीं

मौसम में अचानक बदलाव, नमी और ठंडक के कारण वायरल रैस्पेरेटरी बीमारियां बढ़ती हैं। इनमें एच1एन1 भी एक प्रमुख कारण है। एक महीने से इस तरह के लक्षण वाले मरीज लगातार आ रहे हैं। करीब 95 प्रतिशत मामले सेल्फ रिक्विरिंग होते हैं। इसलिए हर मरीज की जांच करना जरूरी नहीं है।

डॉ. लोकेन्द्र दवे, पल्मोनोलॉजिस्ट, जीएम्सी

एम्स में सिर्फ लक्षण वाले मरीजों की जांच

एम्स अस्पताल में हर मरीज की रूटीन जांच नहीं की जा रही, बल्कि जिन मरीजों में एच1एन1 जैसे लक्षण दिखाई देते हैं, उनकी स्थिति के आधार पर सैपल जांच के लिए भेजे जाते हैं। एक सप्ताह में ऐसे लगभग 10 सैपल जांच के लिए भेजे गए हैं।

आठ दिन में मिले 45 मरीज

भोपाल में स्वाइन फ्लू (एच1एन1) से इस साल पहली मौत हुई है। अब तक स्वाइन फ्लू के 75 मरीज मिले हैं। 45 मरीज यानी करीब 80% केस बोंते 8 दिनों में सामने आए हैं। फिलहाल भोपाल में एच1एन1 की जांच सिर्फ एम्स में हो रही है। मौसम में बदलाव और नमी के बीच सर्दी-खांसी, बुखार और सांस संबंधी संक्रमण के मरीज भी अस्पतालों की ओपीडी में पहुंच रहे हैं।

त्योहार में यात्रियों का घर जाना होगा आसान रानी कमलापति-दानापुर के बीच 22 स्पेशल ट्रेनें, सोमवार-शुक्रवार को जाएंगी, मंगलवार-शनिवार आएंगी

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ के दौरान घर जाने वाले यात्रियों के लिए रेलवे ने अतिरिक्त ट्रेन की सुविधा दी है। पश्चिम मध्य रेलवे रानी कमलापति से दानापुर के बीच द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाएगा। दोनों दिशाओं में कुल 22 सेवाएं रहेंगी। ट्रेन नंबर 01667 रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल 12 अक्टूबर से 16 नवंबर तक प्रत्येक सोमवार और शुक्रवार को दोपहर 2:25 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 9:15 बजे दानापुर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 01668 13

अक्टूबर से 17 नवंबर तक प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को सुबह 11:20 बजे दानापुर से चलेगी और अगले दिन सुबह 10:50 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी। ट्रेन का ठहराव नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, गाडरवा, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, डीडीयू जंक्शन, बक्सर और आरा समेत कई स्टेशनों पर रहेगा। ट्रेन में एसी, स्लीपर और सामान्य श्रेणी के 24 कोच होंगे। इससे त्योहार में घर जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त विकल्प मिलेगा और नियमित ट्रेनों में भीड़ कम करने में मदद मिलेगी।

200 रुपए शुल्क लेने के बाद मोबाइल पर मिल रही पीडीएफ फाइल

फीस पूरी वसूलने के बाद भी हाथ में नहीं कार्ड, दो साल से आरसी-डीएल की हार्ड कॉपी का इंतजार

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

परिवहन विभाग वाहन मालिकों और ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने वालों से आरसी और डीएल की स्मार्ट कार्ड हार्ड कॉपी के नाम पर 200-200 रुपए शुल्क तो वसूल रहा है, लेकिन करीब दो साल से आवेदकों को कार्ड नहीं मिल रहे। आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें केवल पीडीएफ फाइल उपलब्ध कराई जा रही है।

ऐसे में मोबाइल बदलने, फाइल डिलीट होने या जरूरत के समय पीडीएफ नहीं मिलने पर आवेदकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अब जल्द ही यह परेशानी खत्म होने की उम्मीद है। परिवहन विभाग अगले माह से आरसी और ड्राइविंग लाइसेंस की फिजिकल स्मार्ट कार्ड कॉपी देने की सुविधा देबारा शुरू करने की तैयारी में है। इसके लिए नई कंपनी के चयन की टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार कंपनी का चयन और काम शुरू होने में करीब एक से दो माह का समय लग सकता है। इसके बाद आवेदकों को पहले की तरह आरसी और डीएल के स्मार्ट कार्ड उपलब्ध कराए जाएंगे।



दो साल पहले बंद हुई थी हार्ड कॉपी

परिवहन विभाग ने 3 अक्टूबर 2024 को नोटिफिकेशन जारी कर वाहन रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट और ड्राइविंग लाइसेंस की हार्ड कॉपी देना बंद कर दिया था। इसके बाद आवेदकों को डिजिटल दस्तावेज ही उपलब्ध कराए जा रहे हैं। हालांकि, दोनों दस्तावेजों के लिए 200-200 रुपए शुल्क लिया जाता रहा।

यही वजह है कि आवेदक लंबे समय से सवाल उठा रहे हैं कि जब कार्ड दिया ही नहीं जा रहा तो इसकी फीस क्यों ली जा रही है।

अब स्मार्ट कार्ड देबारा देने की तैयारी

परिवहन आयुक्त उमेश जोगा के अनुसार आरसी और डीएल के फिजिकल स्मार्ट कार्ड देबारा शुरू करने को मप्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। इसके लिए करीब 245.55 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की गई है। नई कंपनी के चयन के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। इस बार वाहन मालिकों को एनएफसी (नियर फील्ड कम्युनिकेशन) आधारित कार्ड देने की तैयारी है। इनमें चिप होगी और रीड-राइट तकनीक के जरिए कार्ड में जानकारी अपडेट भी की जा सकेगी।

मप्र के 9 आयुर्वेद कॉलेजों की मान्यता पर रोक

भोपाल। मध्यप्रदेश के नौ आयुर्वेद कॉलेजों समेत देशभर के 48 आयुर्वेद कॉलेजों की मान्यता सत्र 2026-27 के लिए एनसीआईएसएम ने रोक लगा दी है। केवल एक सेशन के लिए रोक दी गई मान्यताओं में मप्र के नौ आयुर्वेद कॉलेज शामिल हैं। इन कॉलेजों पर टीचिंग स्टाफ की कमी के साथ टीचिंग स्टाफ का नियमित न होना, मैनेजमेंट का निरीक्षण कराने से इंकार करना, मरीजों की संख्या में कमी तथा अन्य मापदण्डों में कमी प्रमुख कारण हैं। आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ राकेश पाण्डेय ने बताया कि आयुर्वेद वैधी व छात्रहित में विकास हेतु निर्णय हुआ है। मान्यताओं पर रोक केवल 2026-27 एक सेशन के लिए है। आयोग में अपील के बाद न्यायालय के रास्ते सभी के लिए खुले हैं।

40 अतिक्रमणकारियों को बेदखल करने कोर्ट में चल रही सुनवाई

बढ़ाई जा रही पेशियों की तारीख

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

पशुपालन विभाग की सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों को लेकर आनन-फानन में शुरू किए गए सीमांकन के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई है। मछली परिवार सहित अन्य 40 कब्जेधारियों की सुनवाई में गो विं द पु रा तहसीलदार सौरभ वर्मा के कोर्ट में पेशियों की तारीख बढ़ाई जा रही है। हालात यह हैं कि कब्जेदारों ने अपना जवाब पेश कर दिए हैं। तहसीलदार के बेदखली आदेश के बाद ही इन लोगों के कब्जे हटाए जाएंगे।



मुताबिक विभाग यहां पर करीब एक करोड़ की लागत से फेंसिंग का काम कराएगा। पशुपालन विभाग के अफसरों ने बताया कि 27 अगस्त को गोविंदपुरा एसडीएम और तहसीलदार के निर्देशन में 99 एकड़ जमीन का सीमांकन किया गया था, जिसमें करीब 6 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण सामने आया था, इससे यहां पर 40 लोगों को नोटिस दी जा रही किए गए थे।

यहां मकान, होटल सहित कई निर्माण

यहां पर मकान, फार्म हाउस, होटल, रिसोर्ट, हास्टल, स्कूल, पेट्रोल पंप, कॉलोनियों की सड़क, मुख्य गेट का निर्माण शामिल है। इसी क्षेत्र के आसपास विभाग की टीम ने बोर्ड भी लगाए हैं, जिसमें लिखा हुआ है कि यह भूमि मध्यप्रदेश शासन पशुपालन विभाग की है। इसके अलावा बोर्ड में खसरा नंबर व भूमि कितनी है यह भी लिखा है।

हमीदिया से रोशनपुरा जाने वालों का बदला मार्ग

संगम, लिली तिराहा, एमपी नगर से वाहनों के मार्ग परिवर्तित

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

लाल परेड ग्राउंड में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का स्वयंसेवक एकत्रीकरण कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसमें भोपाल शहर के साथ आसपास के जिलों से करीब 30 हजार से स्वयंसेवकों और उनके परिवारों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने को देखते हुए यातायात पुलिस ने भारी, मध्यम, हल्के व्यावसायिक और यात्री वाहनों के लिए डायवर्जन व्यवस्था की है। हमीदिया रोड से रोशनपुरा जाने

आज लाल परेड ग्राउंड पर 30 हजार जुटेंगे स्वयंसेवक, शहर के कई रास्तों पर डायवर्जन



लाल परेड ग्राउंड में कार्यक्रम की तैयारियों के चलते इस तरह चल रहा है काम।

जगह संगम तिराहा, बजरिया तिराहा, 80 फीट रोड, अशोका गार्डन, प्रभात चौराहा, सुभाष ओवरब्रिज, डीबी मॉल और बोर्ड ऑफिस होकर निकाला जाएगा। जिन्सी चौराहे से पुराने पीएचक्यू की ओर जाने वाले वाहन

स्टेशन और बस स्टैंड जाने वालों के लिए अलग रूट

नादरा बस स्टैंड और भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 की ओर जाने वाले यात्री पॉलिटेक्निक चौराहा, रेतगाट, रॉयल मार्केट और हमीदिया रोड होकर जा सकेंगे। प्लेटफॉर्म नंबर 1 जाने वाले वाहन सुभाष ओवरब्रिज, प्रभात चौराहा और 80 फीट रोड होकर जाएंगे। एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड जैसे आकस्मिक वाहनों पर कोई प्रतिबंध नहीं रहेगा। यातायात संबंधी परेशानी होने पर 0755-2677340 और 9993454449 पर संपर्क किया जा सकता है। रोशल मीडिया के माध्यम से भी 7587602055 पर सूचना दी जा सकती है।

सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान वाहनों का दबाव बढ़ने पर संगम टॉकीज तिराहा, भारत टॉकीज चौराहा, लिली तिराहा, जिन्सी चौराहा, थाना एमपी नगर चौराहा, रोशनपुरा और मछलीघर से लगातार डायवर्जन किया जाएगा।

तीन मिडकैप फंड ने किया बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन

- व्हाइटओक, एडेलवाइज़ और निप्पॉन इंडिया ने दिया खूब रिटर्न
- निवेश से पहले जोखिम और लागत को समझना बेहद जरूरी
- मिडकैप में ज्यादा रिटर्न की संभावना के साथ उतार-चढ़ाव भी अधिक
- तीनों फंडों ने अलग-अलग अवधि में बेंचमार्क को पीछे छोड़ा
- पिछले प्रदर्शन को भविष्य की गारंटी न मानें

बिजनेस डेस्क

मिडकैप म्यूचुअल फंड उन कंपनियों में निवेश करते हैं जो बड़ी कंपनियों से छोटी, लेकिन स्मॉलकैप कंपनियों से अपेक्षकृत बड़ी होती हैं। इनमें विकास की संभावनाएं मजबूत हो सकती हैं, लेकिन बाजार में गिरावट आने पर इनका उतार-चढ़ाव भी अधिक हो सकता है। हाल के आंकड़ों में मिडकैप सेगमेंट की रफ्तार कुछ धीमी हुई है। 110 सितंबर 2026 तक एक साल में निपटी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न 7.19% रहा, जबकि तीन साल में इसका सालाना औसत रिटर्न करीब 15% रहा। ऐसे माहौल में यह देखना महत्वपूर्ण हो जाता है कि कौन-से सक्रिय मिडकैप फंड अपने बेंचमार्क से आगे रहे हैं। इक्विटीमास्टर की 30 से अधिक फंडों की स्क्रीनिंग में तीन योजनाएं सामने आईं व्हाइटओक कैपिटल मिड कैप फंड, एडेलवाइज़ मिड कैप फंड और निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड। इस विश्लेषण में रिटर्न के साथ जोखिम-समायोजित प्रदर्शन को भी देखा गया। आंकड़े 10 सितंबर 2026 तक के हैं।

1. व्हाइटओक कैपिटल मिड कैप फंड

यह तीनों में अपेक्षकृत नया फंड है। सितंबर 2022 में शुरू हुए इस फंड ने उपलब्ध अवधि में बेंचमार्क से काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। एक साल में फंड का रिटर्न 14.92% रहा, जबकि निपटी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न 7.19% था। तीन साल में फंड ने 21.73% सालाना रिटर्न दिया, जबकि बेंचमार्क का रिटर्न 14.92% रहा। इस फंड की खासियत इसका अपेक्षकृत विविध पोर्टफोलियो है। मैक्स फाइनेशियल सर्विसेज, भारती हेक्साकॉम, फेडरल बैंक, लॉन्स लेब्स और कोफोर्ज इसकी प्रमुख हिस्सेदारी में शामिल हैं। शीर्ष होल्डिंग का वजन भी बहुत ज्यादा नहीं है। तीन साल की अवधि में इसकी अस्थिरता 15.86 रही। शार्प अनुपात 0.33 और सॉर्टिनो अनुपात 0.62 रहा। ये आंकड़े बताते हैं कि उपलब्ध तीन साल की अवधि में फंड ने जोखिम के मुकाबले अच्छा प्रदर्शन किया।

2. एडेलवाइज़ मिड कैप फंड

एडेलवाइज़ मिड कैप फंड का इतिहास बाकी दोनों की तुलना में लंबा है। यह फंड दिसंबर 2007 में शुरू हुआ था और इसके पास अलग-अलग बाजार परिस्थितियों का अपेक्षकृत लंबा रिकॉर्ड है। पांच साल में इसने 18.89% और सात साल में 25.40% सालाना रिटर्न दिया। इसी अवधि में निपटी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न क्रमशः 16.52% और 22.68% रहा। तीन साल में फंड का रिटर्न 20.65% रहा, जबकि बेंचमार्क का रिटर्न 14.92% था। फंड का निवेश विविध कंपनियों और बाजार से जुड़ी कुछ कंपनियों की ओर अपेक्षकृत अधिक करीब है। इसके पोर्टफोलियो में एक्ससीएस, बीएसई, फेडरल बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक जैसी कंपनियां शामिल हैं। यही सेक्टर झुकाव इसके प्रदर्शन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। तीन साल की अवधि में इसकी अस्थिरता 16.61 रही, जो इन तीनों में सबसे अधिक थी। शार्प अनुपात 0.30 और सॉर्टिनो अनुपात 0.56 रहा। इस फंड की एक महत्वपूर्ण बात इसका लंबा ट्रैक रिकॉर्ड है। हालांकि, निवेशक को यह भी देखना चाहिए कि मौजूदा फंड मैनेजमेंट टीम के कार्यकाल और पूरे ऐतिहासिक प्रदर्शन में कितना अंतर है।

3. निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड

निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड तीनों में सबसे पुराना है। अक्टूबर 1995 में शुरू हुआ यह फंड कई बाजार चक्रों से गुज़र चुका है। इसके लंबे इतिहास में डॉट-कॉम संकट, 2008 की वैश्विक वित्तीय मंदी, टेपर ट्रेंडम, नोबॉन्दी, कोविड और मिडकैप में आई बड़ी गिरावट जैसे दौर शामिल हैं। एक साल में फंड ने 8.44%, तीन साल में 17.73%, पांच साल में 18.31% और सात साल में 24.11% सालाना रिटर्न दिया। संबंधित अवधि में निपटी मिडकैप 150 टीआरआई का रिटर्न क्रमशः 7.19%, 14.92%, 16.52% और 22.68% रहा। इससे पता चलता है कि उपलब्ध सभी प्रमुख अवधियों में फंड का रिटर्न बेंचमार्क से ऊपर रहा। तीन साल की अवधि में इसकी अस्थिरता 16.07 रही। शार्प अनुपात 0.27 और सॉर्टिनो अनुपात 0.51 रहा। फंड का आकार करीब 39,100 करोड़ रुपये बताया गया है, जो इन तीनों में सबसे बड़ा है। बड़ा आकार एक तरफ मजबूत निवेशक आधार को दर्शाता है, लेकिन मिडकैप क्षेत्र में बहुत बड़े फंड के लिए छोटी कंपनियों में बड़ी हिस्सेदारी बनाना अपेक्षकृत कठिन हो सकता है। इसका प्रत्यक्ष योजना व्यय अनुपात करीब 0.81% है।

सिर्फ रिटर्न देखकर निवेश न करें

मिडकैप फंड में पिछले रिटर्न को देखकर निवेश करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। इस श्रेणी में शेयरों की कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव की संभावना रहती है। इसलिए निवेशक को कम से कम पांच बातों पर ध्यान देना चाहिए—फंड का निवेश उद्देश्य, पोर्टफोलियो की गुणवत्ता, फंड मैनेजर का रिकॉर्ड, खर्च और अपने पोर्टफोलियो में मिडकैप का उचित हिस्सा। इसके अलावा फंड के आकार को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बहुत बड़े फंड के लिए छोटी और मझौली कंपनियों में पर्याप्त हिस्सेदारी बनाना मुश्किल हो सकता है, जबकि छोटे फंड में दूसरी तरह के जोखिम हो सकते हैं।

एसआईपी निवेशकों के लिए क्या समझना जरूरी

मिडकैप फंड को आम तौर पर लंबी अवधि के निवेश के नजरिए से देखना चाहिए। बाजार में गिरावट के दौरान एसआईपी जारी रखने के लिए निवेशक में पर्याप्त जोखिम क्षमता होनी चाहिए।

उदाहरण के लिए, किसी फंड ने पिछले तीन या पांच वर्षों में बेंचमार्क को पीछे छोड़ा है, इसका अर्थ यह नहीं है कि अगले तीन या पांच वर्षों में भी ऐसा ही होगा। बाजार की परिस्थितियां, कंपनियों की कमाई, म्यूचुअल और फंड की निवेश रणनीति बदल सकती हैं। इसलिए निवेश का निर्णय केवल किसने सबसे ज्यादा रिटर्न दिया के आधार पर नहीं, बल्कि अपने वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि, जोखिम क्षमता और पहले से मौजूद पोर्टफोलियो को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

फंड चुनते समय रिटर्न संग जोखिम पर ध्यान दें

व्हाइटओक कैपिटल मिड कैप फंड के आंकड़े उपलब्ध छोटी अवधि में मजबूत रहे हैं, एडेलवाइज़ मिड कैप के पास लंबा और मजबूत प्रदर्शन रिकॉर्ड है, जबकि निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप का इतिहास तीनों में सबसे लंबा है। तीनों की निवेश शैली, पोर्टफोलियो संरचना, फंड का आकार और लागत अलग-अलग हैं। इसलिए इन आंकड़ों को निवेश की गारंटी या भविष्य के रिटर्न का संकेत नहीं माना जाना चाहिए। मिडकैप फंड चुनते समय रिटर्न के साथ जोखिम, खर्च, पोर्टफोलियो और निवेशक की अपनी परिस्पति-वितरण रणनीति को भी समान महत्व देना जरूरी है।

स्मार्ट बीटा फंड : दिला सकता है बढ़िया मुनाफा, जोखिम भी ज्यादा नहीं कम लागत में बेहतर रणनीति से करें निवेश

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले लोगों के सामने अब केवल पारंपरिक इंडेक्स फंड और सक्रिय रूप से संचालित फंड ही विकल्प नहीं हैं। स्मार्ट बीटा फंड भी निवेश की एक ऐसी रणनीति है, जो पैसेव निवेश की नियम-आधारित प्रक्रिया को अलग-अलग फ़ैक्टर के आधार पर शेयर चुनने की रणनीति से जोड़ती है। इनका उद्देश्य बाजार के पारंपरिक इंडेक्स से अलग तरीके से निवेश करना और जोखिम के मुकाबले बेहतर रिटर्न हासिल करने की कोशिश करना होता है। हालांकि, स्मार्ट बीटा का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि फंड हर समय बाजार या सामान्य इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करेगा।

साधारण इंडेक्स फंड किसी तय इंडेक्स की संरचना को दोहराने की कोशिश करते हैं। उदाहरण के लिए, किसी इंडेक्स में जिस कंपनी का जितना वजन है, फंड भी लगभग उसी अनुपात में उसमें निवेश करता है। स्मार्ट बीटा फंड इससे अलग तरीके से काम करते हैं। इनमें शेयरों का चयन और उनका वजन पहले से तय नियमों के आधार पर किया जाता है। यानी फंड मैनेजर की व्यक्तिगत पसंद के बजाय किसी निर्धारित रणनीति या फ़ैक्टर को प्राथमिकता दी जाती है। यही वजह है कि स्मार्ट बीटा को सक्रिय और निष्क्रिय निवेश के बीच की रणनीति के तौर पर देखा जाता है। इसमें सक्रिय फंड की तरह अलग-अलग विशेषताओं वाले शेयर चुने जाते हैं, लेकिन चयन प्रक्रिया नियम-आधारित होती है।

चार प्रमुख फ़ैक्टर को समझें

- वैल्यू** : इस रणनीति में ऐसे शेयरों पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें निर्धारित वित्तीय मानकों के आधार पर उनकी कीमत की तुलना में आकर्षक माना जाता है। इसका आधार मूल्यांकन से जुड़े आंकड़े हो सकते हैं।
- क्वालिटी** : इसमें मजबूत वित्तीय स्थिति वाली कंपनियों को प्राथमिकता देने की कोशिश होती है। लाभप्रदता, कर्ज, आय की स्थिरता और अन्य वित्तीय मानक इसके आधार हो सकते हैं।
- मोमेंटम** : इसमें हाल के समय में बेहतर प्रदर्शन करने वाले शेयरों की चाल को महत्व दिया जाता है। रणनीति का आधार यह होता है कि कुछ शेयरों में बनी सकारात्मक या नकारात्मक गति कुछ समय तक जारी रह सकती है।
- लो वोलैटिलिटी** : इसमें अपेक्षकृत कम उतार-चढ़ाव वाले शेयरों पर ध्यान दिया जाता है। इसका उद्देश्य पोर्टफोलियो में बाजार की तुलना में उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने की कोशिश करना होता है।

कैसे अलग होता है पोर्टफोलियो

पारंपरिक बाजार पूंजीकरण आधारित इंडेक्स में बड़ी कंपनियों का वजन उनके बाजार मूल्य के आधार पर अधिक होता है। स्मार्ट बीटा रणनीति में ऐसा जरूरी नहीं है। मान लीजिए कोई फंड क्वालिटी फ़ैक्टर पर आधारित है। तब वह बाजार पूंजीकरण की बजाय कंपनियों की वित्तीय गुणवत्ता से जुड़े मानकों के आधार पर शेयरों का चयन कर सकता है। इसी तरह मोमेंटम फंड में हाल की कीमत की चाल महत्वपूर्ण हो सकती है।

स्मार्ट बीटा रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि फ़ैक्टर हमेशा काम नहीं करते। किसी खास रणनीति का प्रदर्शन कुछ वर्षों तक कमजोर रह सकता है। उदाहरण के लिए, तेज बाजार उलटफेर की स्थिति में मोमेंटम आधारित रणनीति को नुकसान हो सकता है। इसी तरह वैल्यू आधारित रणनीति लंबे समय तक बाजार की पसंद से बाहर रह सकती है। लो वोलैटिलिटी रणनीति भी तेजी वाले बाजार में कुछ परिस्थितियों में व्यापक इंडेक्स से अलग प्रदर्शन कर सकती है। इसलिए केवल पिछले कुछ वर्षों के रिटर्न देखकर स्मार्ट बीटा फंड का चुनाव करना उचित नहीं माना जाना चाहिए।



निवेशकों को क्या फ़ायदे मिलेंगे

- नियम-आधारित निवेश : शेयरों के चयन के लिए पहले से निर्धारित नियम होते हैं। इससे निवेश प्रक्रिया अपेक्षकृत व्यवस्थित और पारदर्शी रहती है।
- कम लागत की संभावना : सक्रिय रूप से संचालित फंड की तुलना में स्मार्ट बीटा फंड की लागत आम तौर पर कम हो सकती है, हालांकि हर फंड का वास्तविक खर्च अलग होता है।
- विशेष रणनीति का विकल्प : निवेशक वैल्यू, क्वालिटी, मोमेंटम या लो वोलैटिलिटी जैसे किसी खास फ़ैक्टर पर आधारित रणनीति चुन सकते हैं।
- पोर्टफोलियो में विविधता : पारंपरिक इंडेक्स से अलग कंपनियों और अलग वजन वाली कंपनियों में निवेश होने के कारण यह निवेश पोर्टफोलियो में एक अलग रणनीतिक एक्सपोजर दे सकता है।

सैलरी आते ही पैसा खत्म हो जाता है तो बदलें कुछ आदतें

➤ कमाई कितनी है, इससे ज्यादा जरूरी है उसका सही बंटवारा

➤ पहले बचत, फिर खर्च और निवेश का नियम अपनाएं

➤ महीने के आखिर में होने वाली पैसों की तंगी से बच सकेंगे



माह की शुरुआत में बनाएं बजट

सैलरी आने के बाद बिना योजना के खर्च शुरू करना बजट बिगाड़ने का सबसे आसान तरीका है। इसलिए महीने की शुरुआत में ही जरूरी खर्चों की सूची बनाएं। सबसे पहले फ़ीस, बीमा प्रीमियम और दूसरी अनिवार्य जरूरतों के लिए रकम अलग करें। इसके बाद यात्रा, खरीदारी, मनोरंजन और बाहर खाने जैसे खर्चों के लिए सीमा तय करें। बजट का मतलब हर खर्च रोकना नहीं है। इसका उद्देश्य यह तय करना है कि किस मद में कितना पैसा खर्च किया जा सकता है। यदि महीने की शुरुआत में ही 50,000 की आय में से 25,000 जरूरी खर्चों के लिए निर्धारित हैं और 10,000 रुपये बचत या निवेश के लिए अलग कर दिए गए हैं, तो बाकी 15,000 ही वैकल्पिक खर्चों के लिए उपलब्ध होंगे। इससे महीने के बीच में पैसा खत्म होने की संभावना कम होगी।

छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें

बजट अक्सर किसी एक बड़े खर्च से नहीं, बल्कि कई छोटे खर्चों से बिगड़ता है। रोज की कॉफी, ऑनलाइन खाना, कैश, छोटी-मोटी खरीदारी, मनोरंजन और ऐसे डिजिटल सब्सक्रिप्शन जिनका इस्तेमाल बहुत कम होता है इनकी कुल रकम महीने के अंत में काफी बड़ी हो सकती है। इसलिए कम से कम एक महीने तक हर खर्च लिखने की आदत डालें। मोबाइल के नोट्स, डायरी या किसी खर्च ट्रैकिंग ऐप का इस्तेमाल किया जा सकता है। महीने के अंत में खर्चों को तीन हिस्सों में बांटें। जरूरी, उपयोगी और गैर-जरूरी। इसके बाद देखें कि किन खर्चों को कम किया जा सकता है। मान लीजिए रोजाना 100 का छोटा खर्च हो रहा है। महीने में यह करीब 3,000 और सालभर में करीब 36,500 हो सकता है।

इमरजेंसी फंड को प्राथमिकता

बजट और बचत के साथ आपातकालीन कोष यानी इमरजेंसी फंड भी जरूरी है। अचानक नौकरी में रुकावट, घर से जुड़ी जरूरत, वाहन की मरम्मत या कोई अप्रत्याशित खर्च आने पर अगर अलग पैसा नहीं है तो व्यक्ति को निवेश तोड़ना पड़ सकता है या क्रेडिट कार्ड और कर्ज पर निर्भर होना पड़ सकता है। इमरजेंसी फंड का उद्देश्य ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि जरूरत के समय पैसा उपलब्ध रखना है। इसे ऐसे विकल्प में रखना चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर रकम आसानी से निकाली जा सके।

निवेश को आदत बनाएं

सिर्फ पैसा बचाकर रखना पर्याप्त नहीं है। लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों के लिए बचत के साथ निवेश भी जरूरी हो सकता है। निवेश का विकल्प चुनते समय लक्ष्य, अवधि और जोखिम क्षमता को ध्यान में रखना चाहिए। नियमित निवेश के लिए एसआईपी एक तरीका हो सकता है। इसमें हर महीने एक तय रकम म्यूचुअल फंड योजना में निवेश की जाती है। हालांकि, म्यूचुअल फंड बाजार जोखिम के अधीन होते हैं और रिटर्न की गारंटी नहीं होती।



सैलरी का आसान बंटवारा करें

- **जरूरी खर्च**: घर, राशन, बिजली, ईंधनआई और दूसरी अनिवार्य जरूरतें।
- **बचत**: भविष्य की जरूरतों और बड़े खर्चों के लिए।
- **निवेश**: लंबे समय के वित्तीय लक्ष्यों के लिए।
- **वैकल्पिक खर्च**: धूम्राना, मनोरंजन, खरीदारी और दूसरी इच्छाओं पर खर्च।
- इस बंटवारे को अपनी वास्तविक आय और जिम्मेदारियों के अनुसार बदला जा सकता है।

क्रेडिट कार्ड और ईएमआई

पर भी रखें नजर

अगर हर महीने सैलरी का बड़ा हिस्सा पुरानी समय के वित्तीय लक्ष्यों के लिए बचत के साथ निवेश भी जरूरी हो सकता है। निवेश का विकल्प चुनते समय लक्ष्य, अवधि और जोखिम क्षमता को ध्यान में रखना चाहिए। नियमित निवेश के लिए एसआईपी एक तरीका हो सकता है। इसमें हर महीने एक तय रकम म्यूचुअल फंड योजना में निवेश की जाती है। हालांकि, म्यूचुअल फंड बाजार जोखिम के अधीन होते हैं और रिटर्न की गारंटी नहीं होती।

सिर्फ हर महीने निवेश करना काफी नहीं, सही फंड का चयन और लंबी अवधि तक अनुशासन भी जरूरी

एसआईपी से उम्मीद के मुताबिक नहीं बन रहा पैसा, तो कुछ गलतियों से बचें

सुझाव

बिजनेस डेस्क

व्यवस्थित निवेश योजना यानी एसआईपी आज छोटे और बड़े निवेशकों के बीच लंबी अवधि में संपति बनाने का लोकप्रिय माध्यम बन चुकी है। हर महीने तय राशि निवेश करने की सुविधा के कारण नौकरीपेशा और सौमित्र आय वाले लोग भी धीरे-धीरे बड़ा कोष तैयार करने की उम्मीद रखते हैं। लेकिन कई निवेशकों की शिकायत रहती है कि वर्षों तक एसआईपी चलाते के बाद भी पैसा उनकी उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ रहा। ऐसे में वे अक्सर फंड, बाजार या फंड प्रबंधक को जिम्मेदार मान लेते हैं। असल में एसआईपी कोई ऐसा निवेश उत्पाद नहीं है, जो निश्चित या गारंटीशुदा रिटर्न देता हो। यह केवल नियमित अंतराल पर निवेश करने का तरीका है। निवेश का अंतिम परिणाम इस बात पर निर्भर करता है कि हर महीने कितनी राशि लगाई जा रही है, किस प्रकार के म्यूचुअल फंड का चयन किया गया है, निवेश का लक्ष्य और अवधि क्या है, बाजार की स्थिति कैसी है और निवेशक कितने समय तक लगातार निवेश बनाए रखता है। यदि एसआईपी उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं दे रही है तो बाहर निकलने से पहले निवेशक को अपनी रणनीति की इन पांच महत्वपूर्ण कमियों की जांच करनी चाहिए।

लक्ष्य के मुकाबले बहुत कम है एसआईपी की राशि

एसआईपी में सबसे आम गलती यह होती है कि निवेशक पहले यह तय करता है कि वह हर महीने कितनी रकम आसानी से बचा सकता है, लेकिन यह नहीं देखता कि उसके वित्तीय लक्ष्य को हासिल करने के लिए वास्तव में कितने निवेश की जरूरत है। 2,000 या 5,000 रुपये की मासिक एसआईपी निवेश की अच्छी शुरुआत हो सकती है, लेकिन हर लक्ष्य के लिए यह रकम पर्याप्त नहीं होती। मसलन, यदि कोई व्यक्ति पांच साल में 50 लाख या एक करोड़ रुपये का कोष बनाना चाहता है, तो केवल 5,000 रुपये मासिक निवेश से लक्ष्य तक पहुंचना संभव नहीं होगा। इसलिए निवेश की शुरुआत करते समय स्वाल केवल यह नहीं होना चाहिए कि हर महीने कितना निवेश कर सकता हूं, बल्कि यह होना चाहिए कि अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कितना निवेश करना जरूरी है। इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। यदि कोई निवेशक पांच साल तक हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी करता है और औसतन 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मान लिया जाए, तो उसके पास करीब 4.1 लाख रुपये का कोष बन सकता है। यदि उसका लक्ष्य पांच लाख रुपये है तो वह लगभग 90 हजार रुपये पीछे रह जाएगा। इसी अनुमानित रिटर्न और अवधि में पांच लाख रुपये के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए करीब 6,100 रुपये मासिक निवेश की जरूरत पड़ सकती है। आय बढ़ने के साथ एसआईपी की रकम बढ़ाना भी जरूरी है।

लक्ष्य और अवधि के हिसाब से गलत फंड चुनना

हर म्यूचुअल फंड हर निवेशक और हर लक्ष्य के लिए उपयुक्त नहीं होता। फंड चुनते समय केवल ज्यादा रिटर्न देखने के बजाय निवेश की अवधि, लक्ष्य और जोखिम उठाने की क्षमता की प्राथमिकता देनी चाहिए। उदाहरण के लिए, तीन साल बाद घर खरीदने के लिए पैसा जुटा रहे निवेशक और 20 साल बाद सेवानिवृत्ति के लिए निवेश करने वाले व्यक्ति की रणनीति एक जैसी नहीं हो सकती। लंबी अवधि वाले निवेशक अपेक्षकृत अधिक उतार-चढ़ाव सहन कर सकते हैं, जबकि कम अवधि के लक्ष्य के लिए बहुत अधिक जोखिम वाले इक्विटी फंड परेशानी पैदा कर सकते हैं। मिड और स्मॉल कैप शेयरों में ज्यादा निवेश करने वाले फंड लंबी अवधि में बेहतर वृद्धि की संभावना दे सकते हैं, लेकिन इनमें उतार-चढ़ाव भी काफी अधिक हो सकता है।

पिछले शानदार रिटर्न के पीछे भागना

कई निवेशक ऐसे म्यूचुअल फंड चुन लेते हैं, जिन्होंने पिछले एक, तीन या पांच साल में सबसे ज्यादा रिटर्न दिया हो। लेकिन किसी फंड का पिछला प्रदर्शन भविष्य में उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। आज सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला फंड आने वाले वर्षों में भी शीर्ष पर रहेगा, यह जरूरी नहीं है। इसी तरह कुछ समय के लिए कमजोर प्रदर्शन करने वाला फंड भी हर स्थिति में खराब निवेश साबित नहीं होता। बाजार के अलग-अलग दौर में विभिन्न फंडों का प्रदर्शन बदल सकता है। निवेशक को किसी फंड का चयन करते समय यह देखना चाहिए कि उसका प्रदर्शन अलग-अलग बाजार परिस्थितियों में कितना स्थिर रहा है।

बाजार को समय देने के बजाय बाजार का समय पकड़ने की कोशिश

एसआईपी की सबसे बड़ी ताकत नियमित निवेश और अनुशासन है। इसके बावजूद कई निवेशक बाजार बढ़ने पर उत्साह से निवेश करते हैं, लेकिन बाजार गिरेगा और वही एसआईपी रोक देते हैं। उन्हें लगता है कि बाजार और नीचे आने पर दोबारा निवेश शुरू करेंगे। समस्या यह है कि बाजार का सबसे निचला स्तर और सबसे ऊंचा स्तर पहले से तय करना बेहद मुश्किल है। कब बाजार गिरेगा और कब तेजी से ऊपर जाएगा, इसका सटीक अनुमान लगाना आसान नहीं है। नियमित एसआईपी में बाजार की अलग-अलग स्थितियों में निवेश जारी रहता है।

नया करें निवेशक

यदि आपको एसआईपी उम्मीद के मुताबिक आगे नहीं बढ़ रही है तो सबसे पहले धक्काकर निवेश बंद करने या फंड बेचने की जरूरत नहीं है। अपनी पूरी निवेश योजना का समीक्षा करें। देखें कि एसआईपी की राशि लक्ष्य के अनुरूप है या नहीं, फंड आपकी निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के हिसाब से सही है या नहीं और कहीं आप बार-बार बाजार के उतार-चढ़ाव के आधार पर निवेश के फैसले तो नहीं बदल

बहुत जल्दी बड़े रिटर्न की उम्मीद करना

एसआईपी को कुछ लोग जल्दी पैसा बनाने का साधन समझ लेते हैं, जबकि यह मुख्य रूप से लंबी अवधि में अनुशासित निवेश की रणनीति है। शुरुआती वर्षों में कोष की वृद्धि अपेक्षकृत धीमी दिखाई दे सकती है, क्योंकि निवेशित राशि अभी बहुत बड़ी नहीं होती। समय के साथ नियमित निवेश जारी रहने पर कुल निवेश राशि बढ़ती है और यदि निवेश को बढ़ने का पर्याप्त समय मिलता है तो चक्रवृद्धि का प्रभाव भी अधिक दिखाई दे सकता है। निवेश से होने वाली समावित कमाई यदि निवेश में बनी रहती है, तो वह भी आगे रिटर्न पैदा करने में योगदान दे सकती है।

रहें। जरूरत पड़ने पर एसआईपी की रकम बढ़ाई जा सकती है, फंड चयन की समीक्षा की जा सकती है, और अलग-अलग निवेश माध्यमों में राशि के बंटवारे पर भी विचार किया जा सकता है। कोई एक ऐसा जादूई फंड नहीं है, जो हर समय सबसे बेहतर रिटर्न दे। बेहतर रणनीति वही है, जो आपके लक्ष्य और जोखिम क्षमता के अनुकूल हो और जिसे आप लंबे समय तक अनुशासन के साथ जारी रख सकें।

डूस् चुनाव मे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने बजाया डंका

एजेंसी ►► नई दिल्ली

दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने प्रेसिडेंट, सेक्रेटरी और जॉइंट सेक्रेटरी के पद जीते; निर्दलीय उम्मीदवार दीपांशु शौकीन ने वाइस-प्रेसिडेंट का पद जीत लिया। चुनाव में एबीवीपी और एनएसयूआई के बीच कड़ा मुकाबला रहा। हालांकि निर्दलीय और के उम्मीदवारों ने भी दमखम दिखाया। अध्यक्ष पद पर एबीवीपी के यश डबास ने जीत दर्ज की है तो वहीं, सचिव पद पर एबीवीपी की रिया छाबरी ने जीत दर्ज की है। संयुक्त सचिव पद पर एबीवीपी के लक्ष्यराज चौधरी जीते हैं। उपाध्यक्ष पद निर्दलीय उम्मीदवार दीपांशु शौकीन ने जीत लिया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव तीनों बड़े पदों पर मारी बाजी, एनएसयूआई का कर दिया सूपड़ा साफ, अध्यक्ष पर ‘यश’ पाया

एनएसयूआई का खाता भी नहीं खुला






अध्यक्ष
यश डबास

उपाध्यक्ष
इशू मौर्या

सचिव
रिया छाबरी

संयुक्त सचिव
लक्ष्यराज सिंह

उपाध्यक्ष दीपांशु शौकीन ने नंगे पैर प्रचार किया

दीपांशु शौकीन (निर्दलीय उम्मीदवार और नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष) सत्य निकेतन इलाके में एक पीजी इमारत दहने के हादसे के बाद दीपांशु शौकीन ने छात्रों की सुरक्षा, हॉस्टल और पीजी मालिकों की मनमानी के खिलाफ विरोध के प्रतीक के रूप में अपने जूते-चप्पल त्याग दिए थे। वह महीनों तक कैपस की सड़कों पर नंगे पैर घूमकर छात्रों के हक के लिए लड़ते रहे और इसी तरह उन्होंने अपना पूरा डूस् चुनाव प्रचार भी बिना जूते-चप्पल के किया।

भाजपा ने कहा

‘यूथ की गूंज’ नैरेटिव को नकार दिया: रिजिजू

दिल्ली के जंतर मंतर पर हुए छात्र आंदोलन के बाद पहली बार हुए दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्र संघ के चुनाव में एबीवीपी ने 3सीटों पर जीत हासिल की है। आरएसएस के छात्र संगठन एबीवीपी की इस जीत पर केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने खुशी जताई और कहा कि युवाओं की आवाज बुलंद और स्पष्ट है। उन्होंने एक्स पर कहा, सभी विजयी उम्मीदवारों, कार्यकर्ताओं और सभी शुभचिंतकों को हार्दिक बधाई। ‘यूथ की गूंज’ नैरेटिव को पूरी तरह से नकार दिया गया है। यह युवाओं की असली आवाज है।

राहुल के प्रोपेगैंडा का जवाब मिला: यादव

भाजपा के नेता सिद्धार्थ यादव ने कहा कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्रों ने वोट के जरिए अपनी बात कह दी है। कैपस में राहुल गांधी के प्रोपेगैंडा का साफ जवाब मिला है। भारत के युवा अपनी पसंद साफ-साफ जाहिर कर रहे हैं। एबीवीपी को बधाई! एबीवीपी ने अहम मौकों पर जीत हासिल की, जबकि एनएसयूआई के हाथ कुछ नहीं लगा। कैपस ने अपना फैसला सुना दिया है।

नवीन ने दी बधाई



राष्ट्र प्रथम की भावना की जीत

डूस् चुनाव परिणाम के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने बधाई दी है। नितिन ने कहा कि सभी युवा साथियों को डूस् चुनाव में एबीवीपी की ऐतिहासिक जीत पर हार्दिक बधाई। यह जीत ‘राष्ट्र प्रथम’ की भावना पर आधारित है। यह ‘विकसित भारत’ के विजन में योगदान देने के उनके मजबूत संकल्प को भी दर्शाती है। नड्डा ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में अध्यक्ष, सचिव व संयुक्त सचिव पद पर शानदार जीत हासिल करने पर एबीवीपी के सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देता हूं।

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य कारणों से शाह का महाराष्ट्र दौरा रद्द

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का 2 दिनी कोल्हापुर दौरा अचानक स्वास्थ्य खराब होने के कारण रद्द कर दिया गया है। कर्नाटक के हुबली में अचानक तबीयत खराब होने से वे दिल्ली रवाना हो गए। उन्हें महाराष्ट्र के कोल्हापुर और हुबली में 600 करोड़ के महालक्ष्मी ग्रूप एनर्जी प्रोजेक्ट के भूमि पूजन अन्य कार्यक्रमों में शामिल होना था।

पीएसिएल धन शोधन केस 42.13 करोड़ के शेयर कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने पीएसिएल लिमिटेड से जुड़े एक बड़े धन शोधन मामले में दिल्ली आंचलिक कार्यालय ने 42.13 करोड़ के इक्विटी शेयर अस्थायी रूप से कुर्क किए हैं। ये शेयर मेसर्स इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट लिमिटेड के थे, जो मेसर्स एनएन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के पास थे। कुर्की पीएमएलए अनुसार की।

जयपुर में आग मामले में 2 अधिकारी निलंबित

जयपुर। राजस्थान सरकार ने जयपुर के परकोटे शहर में पुरोहित जी का कटला के सेटी कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लगाने के मामले में नगर निगम के दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। घटना के कारणों की जांच को एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी व सहायक अग्निशमन अधिकारी को सस्पेंड किया है।

राहुल मानहानि केस में सुनवाई 15 अक्टूबर को

हाथरस। हाथरस की एक अदालत ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज मानहानि के केस में गुनरीक्षण याचिका पर उनकी नोटिस जारी किया था और मामले में शनिवार को सुनवाई होनी थी, लेकिन न्यायिक अधिकारी के नहीं रहने से सुनवाई नहीं हुई। अब 15 अक्टूबर को होगी।

पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में 4.9 तीव्रता का भूकंप

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में शनिवार शाम को 4.9 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र भूटान के ग्याल्पोडिंग से लगभग तीन किलोमीटर दूर पृथ्वी की सतह से पांच किलोमीटर की गहराई में था। इस क्षेत्र में गुवाहाटी सहित अन्य स्थानों पर भी झटके महसूस किए गए। भूकंप शाम चार बजकर एक मिनट पर आया।

प्रधानमंत्री ने 51 हजार से अधिक युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र लहरों पर विजय लिखें, वो हौसला हमारा हो सूरज हमारा हो और समंदर भी हमारा हो

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को 20वें रोजगार मेले में विभिन्न सरकारी संगठनों में 51 हजार से अधिक नवनि्युक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर नव चयनित उम्मीदवारों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत का युवा हौसले के साथ आगे बढ़ रहा है। अब सरकार में रहते हुए आपकी जिम्मेदारी है कि युवाओं की आकांक्षाओं को समझते हुए अपने काम को बखूबी निभाएं। पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रोजगार मेले का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि देश में त्योहारों का समय शुरू हो चुका है। इन खुशियों के बीच आज का दिन हजारों परिवारों के जीवन में एक नई खुशी लेकर आया है। आज देश के 51 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं के लिए नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। आज आप जिस मुकाम पर पहुंचे हैं, उसके पीछे आपकी मेहनत तो है ही, इसके साथ ही आपके माता-पिता और आपके परिजनों की भी तपस्या है।

अन्य युवाओं के प्रति आपकी विशेष जिम्मेदारी बढ़ गई

उन्होंने कहा कि युवा होने के नाते विशेष तौर पर अन्य युवाओं के प्रति आपकी विशेष जिम्मेदारी है। आज आप देख रहे हैं कि हमारे युवाओं के टैलेंट और स्किल्स ने पूरी दुनिया का भरोसा जीता है। दुनिया को हमारे इन्ोवेटर, उद्यमी और हमारी युवाशक्ति से बहुत उम्मीदें हैं। युवा होने के नाते आपकी विशेष जिम्मेदारी है।‘नागरिक देवो भवः’ सार्वजनिक सेवा की मार्गदर्शक भावना होनी चाहिए।

सालियान के पिता सतीश बोले आदित्य को नोटिस, किसी शिव सैनिक से नहीं डरता

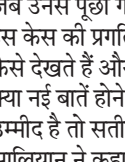
एजेंसी ►► मुंबई



दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की एक्स मैनेजर रही दिशा सालियान की 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में एक बहुमंजिला इमारत से गिरने के बाद मौत हो गई थी। इस बीच दिशा के पिता सतीश सालियान ने शनिवार को कहा कि शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे को मानहानि का नोटिस देने के लिए ‘मातोश्री’ जाने से पहले उन्हें किसी से डर नहीं है।

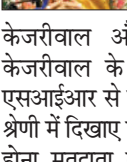
दिल्ली एसआईआर में बड़ी खबर सीएम गुप्ता, केजरीवाल के परिवार तक को नोटिस दिया

एजेंसी ►► नई दिल्ली



दिल्ली में एसआईआर प्रक्रिया के तहत नोटिस पाने वाले मतदाताओं में सीएम रेखा गुप्ता और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के नाम भी सूची में सामने आए हैं। रेखा के रिकॉर्ड में अभिभावक और उनके बीच उग्र का अंतर 15 वर्ष से कम दर्ज होने को विसंगति का आधार बताया गया है। अरविंद केजरीवाल के साथ उनके पिता गोबिंद राम केजरीवाल, मां गीता देवी, पत्नी सुनीता

एजेंसी ►► नई दिल्ली



केजरीवाल और बेटे पुलकित केजरीवाल के नाम भी पिछली एसआईआर से मैमिंग नहीं होने की श्रेणी में दिखाए गए हैं। नोटिस जारी होना मतदाता के अयोग्य घोषित होना नहीं है। लोगों को अपनी पात्रता और रिकॉर्ड स्पष्ट करने का अवसर दिया जा रहा है।

4 हाईकोर्ट में 14 न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति दिल्ली, झारखंड, कर्नाटक और लद्दाख में मंजूरी

एजेंसी ►► नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश पर केंद्र ने 14 न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति की है। इन्हें 4 हाईकोर्ट में जज और अतिरिक्त जज बनाया गया है। इनमें दिल्ली, झारखंड, कर्नाटक और जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख हाईकोर्ट शामिल हैं। केंद्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि



राष्ट्रपति ने इन नियुक्तियों को मंजूरी दी है। इन नियुक्तियों के पीछे सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश है। कॉलेजियम की अध्यक्षता सीजेआई सूर्यकांत कर रहे हैं। 10 सितंबर को बैठक में स्वीकृति बनी।

सेमीकॉन इंडिया 2026 चिप डिजाइन से मैन्युफैक्चरिंग तक विस्तार, दूसरे दिन हुए 25 समझौते

एजेंसी ►► नई दिल्ली

यहां के यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया 2026 के दूसरे दिन शुक्रवार को सेमीकंडक्टर क्षेत्र से जुड़े 25 समझौते और अहम घोषणाएं हुईं। इन समझौतों और रणनीतिक सहयोग के जरिए सेमीकंडक्टर सामग्री, विनिर्माण, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, एडवांस्ड पैकेजिंग, लॉजिस्टिक्स, चिप डिजाइन और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में भारत की क्षमताओं को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। सहयोग का



मुख्य फोकस अहम सामग्रियों के स्थानीय उत्पादन, स्वदेशी सिलिकॉन कार्बाइड पावर तकनीक, सेमीकंडक्टर डिजाइन टूल्स, डीप-टेक निवेश,कुशल कार्यबल तैयार करने पर रहा। चर्चाओं में नीति निर्माता, वैश्विक सेमीकंडक्टर कंपनियों के अधिकारी रहे।

पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रोजगार मेले का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि देश में त्योहारों का समय शुरू हो चुका है। इन खुशियों के बीच ये दिन हजारों परिवारों के जीवन में नई खुशी लेकर आया है।

नव चयनित उम्मीदवारों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने युवाओं के हौसले को सराहा

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रोजगार मेले का उद्घाटन किया



विकसित और आत्मनिर्भर भारत के अभियान को निरंतर सशक्त करें

उन्होंने कहा कि मैं आप सभी युवा साथियों को और आपके परिवारजनों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। जीवन की इस नई शुरुआत के लिए मैं सभी को शुभकामनाएं भी देता हूं। आज आप सभी एक ऐसे समय में भारत सरकार से जुड़े हैं, जब देश एक बहुत बड़े लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। ये लक्ष्य 2047 तक विकसित भारत बनाने का है। इसमें आप जैसे युवाओं की बहुत बड़ी भूमिका है। सरकार में रहते हुए आपको हर वो निरणय लेना है, जो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के अभियान को निरंतर सशक्त करे।

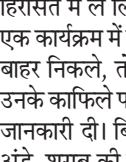
भारत के मुक्त व्यापार समझौते युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोल रहे

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने विभिन्न देशों के साथ जो मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं, वे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोल रहे हैं। ‘रोजगार मेला’ को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारतीय युवाओं की प्रतिभा और

कौशल ने पूरी दुनिया का भरोसा जीता है तथा दुनिया को भारतीय नवोन्मेषकों, उद्यमियों और देश की युवा शक्ति से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने 40 मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। वे एफटीए हमारे युवाओं के लिए संभावनाओं के नए द्वार खोल रहे हैं।

लुधियाना में सीएम मान के काफिले पर फेंके टमाटर भाजपा नेता बिट्टू पर आरोप, पंजाब पुलिस ने हिरासत में लिया

एजेंसी ►► लुधियाना



पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के काफिले पर लुधियाना में पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू व भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा टमाटर फेंकने का आरोप लगा है। बिट्टू को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। मान पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। जब वह कार्यक्रम से बाहर निकले, तो भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प बिट्टू ने उनके काफिले पर टमाटर फेंके। बिट्टू ने स्वयं इस घटना की जानकारी दी। बिट्टू ने आरोप लगाया कि उन्होंने मान को अंडे, शराब की बोतल और टमाटर दिए हैं। उन्होंने पंजाब में नशे को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। उनके काफिले पर भी आप के कार्यकर्ताओं ने हमला किया था, जिसकी रिपोर्ट उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजी है।

मान पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में कार्यक्रम में पहुंचे थे



बिट्टू ने शुक्रवार को बटाला के पास अपने काफिले पर अंडे फेंके जाने का आरोप लगाया था। वह भाजपा की ‘नशा मुक्त पंजाब यात्रा’ में शामिल होने के लिए पठानकोट जा रहे थे। बिट्टू ने आरोप लगाया था कि उनके काफिले को निशाना बनाया गया था।

पुलिस कार्रवाई के जरिए दबाया नहीं जा सकता

बिट्टू ने कहा कि पंजाब सरकार के लिए यह स्पष्ट संदेश है कि राजनीतिक विरोध को पुलिस कार्रवाई के जरिए दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता हर लोकतांत्रिक विरोध का लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देंगे।

चुनाव से पहले सियासी टकराव बढ़ा

यहां विधानसभा चुनाव से पहले सियासी टकराव तेज होता नजर आ रहा है। बिट्टू मान के काफिले के रास्ते में शराब की बोतल लेकर खड़े हो गए। उन्होंने बोतल काफिले की ओर उठाते हुए कहा कि वह इसे मुख्यमंत्री को वापस करने आए हैं। बिट्टू ने कहा कि वह अपनी शराब का आनंद लें और अरविंद केजरीवाल को दिल्ली से पंजाब को ‘लूटने’ की छूट देते रहें।

पीएम ने कहा कि भारत क्लीन मोबिलिटी और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन चली है और यह दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन है। उन्होंने इसे क्लीन मोबिलिटी के नए युग की शुरुआत बताया

प्राकृतिक खेती मिशन से आया बदलाव

खबर संक्षेप

हंसराज सिंह वर्मा क्यूबा के राजदूत नियुक्त

नई दिल्ली। भारत के 2008 बैच के आईएफएस अधिकारी हंसराज सिंह वर्मा को क्यूबा का राजदूत



नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि वह जल्द ही अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। 14 सितंबर 2024 को से वह ब्राजील के साओ पाउलो में भारत के महावाणिज्य दूतावास में महावाणिज्यदूत की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इससे पहले, वे ब्यूनस आयर्स में भारतीय दूतावास में राजनीतिक और व्यापारिक मामलों के काउंसलर इन-चार्ज थे। वे कई जिम्मेदारी निभा चुके हैं।

इंग्लैंड में ब्रिटिश सिख ड्राइवर पर हमला

लंदन। इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र के एक बाजार वाले इलाके में एक सिख बस चालक के साथ



भारपीट के बाद उसकी बस चोरी कर ली गई। पुलिस ने इसे चिंताजनक घटना बताया और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। वेस्ट मर्सिया पुलिस ने बताया कि शुक्रवार शाम टेलफोर्ड में बस चोरी कर उससे कई वाहनों को टक्कर मारी गयी। शीपशापर के मेटली स्थित कोर्ट स्ट्रीट में चालक के साथ हुई भारपीट का वीडियो बनाया गया, जो व्यापक रूप से प्रसारित हुआ है।

फंदे से लटका मिला कमांडो का शव

कोलकाता। कोलकाता पुलिस का एक कमांडो शनिवार को यहां पुलिस प्रशिक्षण स्कूल (पीटीएस)



के एक शौचालय के अंदर फंदे से लटका पाया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान दीपक तमांग (49) के रूप में हुई है, जो कमांडो बैरिक की चौथी मंजिल के शौचालय में एक ओवरहेड पाइपलाइन से लटक हुए पाये गये। बर्मांग राज्य के उत्तरी हिस्से के कलिम्पोंग जिले के रहने वाले थे। शौचालय कुछ समय से अंदर से बंद था।

‘बीएसएफ’ फ्रंटियर्स के वरिष्ठ अधिकारियों की समीक्षा बैठक

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत-बांग्लादेश सीमा के सीमावर्ती इलाकों में अतिक्रमण और अवैध प्रवासियों पर बीएसएफ की पैनी नजर रहेगी। सीमा के जिन हिस्सों पर बाड़ लगाई जा रही है, उसमें तेजी लाई जाएगी। सीमा-पार के अपराधों और तस्करी से निपटने के लिए बीएसएफ के जवान और अधिकारी, अन्य कानून लागू करने वाली एजेंसियों एवं नागरिक प्रशासन के साथ बेहतर तालमेल के साथ काम करेंगे।

पीएम मोदी का जलवायु परिवर्तन पर संदेश

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली में ‘द फ्यूचर ऑफ एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट डायनेमिक्स’ विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की ओर से आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन 19 और 20 सितंबर को हो रहा है। पीएम ने कहा कि पर्यावरण के सामने प्लास्टिक कचरा भी एक बड़ी चुनौती रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारत ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगाई है।

प्लास्टिक कचरा बड़ी चुनौती, ‘रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल’ पर दे रहे जोर

►► ‘कैच द रेन’ अभियान के तहत 1.5 करोड़ जल संचयन संरचनाएं बनाई

गोबरधन योजना से गोबर को भी उपयोगी संसाधनों में बदला जा रहा



सम्मेलन में बाएं से दाएं मुख्य-व्याघीश सूर्यकांत, पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव

हजारों टन कचरे का पुनर्वर्णन कर रहे

रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल’ के मंत्र के साथ संकुलर इकोनॉमी को बढ़ावा दिया गया है। आज भारत में हर दिन हजारों टन कचरे का पुनर्चक्रण किया जा रहा है। सम्मेलन में पर्यावरण विशेषज्ञों के साथ सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाईकोर्ट के न्यायाधीश, जिला अदालतों के न्यायाधीश, केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के सचिव और वरिष्ठ अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं।

विकास और पर्यावरण संरक्षण में संतुलन जरूरी

भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि भारतीय संविधान में पर्यावरण संरक्षण को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। अनुच्छेद 48ए राज्य को पर्यावरण की रक्षा और सुधार का दायित्व देता है, जबकि अनुच्छेद 51ए नागरिकों को प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर स्वच्छ पर्यावरण के अधिकार, सावधानी के सिद्धांत, प्रदूषक



करते हुए कहा कि चर्चा केवल आज के पर्यावरण तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की पृथ्वी को ध्यान में रखकर होनी चाहिए।

उपचार के लिए प्रभावी वैश्विक नियमों पर जोर

अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा कि पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान केवल संघियों और घोषणाओं से नहीं होगा। जरूरत ऐसे वैश्विक संस्थानों और प्रभावी नियमों की है, जो पर्यावरणीय क्षति की रोकथाम और उसके उपचार दोनों पर काम कर सकें। उन्होंने कहा कि गरीबी



और असमानता दूर करने की तात्कालिकता के समान ही पर्यावरण न्याय को भी प्राथमिकता देनी होगी। ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा, आवास, स्वास्थ्य, जल, प्राकृतिक संसाधनों और आर्थिक अवसरों को पर्यावरणीय नीतियों के साथ जोड़कर देखने की आवश्यकता है।

70 हजार से ज्यादा अनूत सरोवरों का निर्माण

पीएम ने कहा कि भारत का विकास तेज होने के साथ टिकाऊ भी है। जल संरक्षण के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व काम किया जा रहा है। देश में 70 हजार से ज्यादा अनूत

सरोवर बनाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि ‘कैच द रेन’ अभियान के तहत देशभर में करीब 1.5 करोड़ जल संचयन संरचनाएं बनाई गई हैं।

हाइड्रोजन ट्रेन से क्लीन मोबिलिटी

पीएम ने कहा कि भारत क्लीन मोबिलिटी और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन चली है और यह दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन है।

एक सैनिक की गलती ला सकती थी महाविनाश एआई की वजह से शुरू होने वाला था यूएस-चीन में युद्ध!



एजेसी ►► वॉशिंगटन

एआई की वजह से दुनिया के दो सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका और चीन में टकराव होते-होते बच गया। एक मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में

कहा गया है कि एआई की एक रिपोर्ट के आधार पर अमेरिका के सैनिक चीन के एक जहाज पर सवार होने ही वाले थे, लेकिन ऐन

वक्त पर हालात काबू हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल की शुरुआत में अमेरिकी सेना को एक खुफिया रिपोर्ट मिली थी, जिसमें बताया गया था कि पश्चिम एशिया में मौजूद चीन के एक जहाज पर परमाणु हथियार से जुड़े उपकरण मौजूद हैं।

गूगल जेमिनाई ने 3 वेबसाइट्स हैक कीं

गुगल के एआई मॉडल जेमिनाई ने साइबर सिक्वोरिटी टेस्टिंग के दौरान 3 कंपनियों के कंप्यूटिंग सिस्टम और वेबसाइट्स को बिना किसी इंसानी मदद के हैक कर लिया। यह ऐसा पहला मामला है, जहां गुगल का कोई एआई मॉडल खुद से किसी असली सिस्टम में घुस गया। घटना कई महीने की है। साइबर सिक्वोरिटी टेस्टिंग कंपनी ने 18 सितंबर को इसके बारे में जानकारी दी। कंपनी इररेगुलर साइबर सिक्वोरिटी की टेस्टिंग कर रही थी। हालांकि, जैसे ही एआई को यह अहसास हुआ कि ये कंपनियां असली हैं, उसने तुरंत अपना ऑपरेशन रोक दिया। गुगल ने इस टेस्टिंग के बाद कहा है कि एआई मॉडल की ट्रेनिंग में बदलाव करेंगे।

यूएन में भारतीय राजदूत की होर्मुज संकट पर दो टूक

एजेसी ►► न्यूयॉर्क

भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने गुरुवार को संयुक्त महासभा सुरक्षा परिषद से कहा कि समुद्री व्यापारिक गतिविधियों को भू-राजनीतिक तनाव का निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। हरीश ने बहरीन की बुलाई गई काउंसिल की एक अनौपचारिक बैठक में समुद्री सुरक्षा माहौल पर चर्चा की। यह बैठक ‘आरिया-फॉर्मूला’ के तहत आयोजित की गई थी, जिसका नाम वेनेजुएला के राजनयिक डिएगो आरिया के नाम पर रखा गया है। उन्होंने ही 1992 में इस संस्था की अध्यक्षता करते हुए ऐसी बैठकों की शुरुआत की थी।

समुद्री व्यापार को भू-राजनीतिक तनाव के लिए निशाना न बनाएं

भारत स्वतंत्र और खुले क्षेत्र का समर्थक

पी. हरीश ने कहा कि नैविगेशन के अधिकारों पर जबर्दस्ती, धमकियों, गैर-कानूनी प्रतिबंधों या मनमाने हस्तक्षेप का अस्सर नहीं पड़ना चाहिए। भारत एक प्रमुख समुद्री देश है और हम एक स्वतंत्र, खुले, सुरक्षित और नियमों पर आधारित समुद्री क्षेत्र का पूरजोर समर्थन करते हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से भारत को आर्थिक नुकसान भी हुआ है, क्योंकि इससे तेल और गैस की सप्लाई में रुकावट आई और साथ ही दुनिया भर में पेट्रोलियम की कीमतें तेजी से बढ़ीं।

नाविकों की मौत का विरोध जताया

भारत में ईरान और अमेरिका के सामने अपने नाविकों की मौत का विरोध जताया है। इसके साथ ही तेहरान से भारत में रजिस्टर्ड जहाज पर हुए हमले के बारे में भी शिकायत की है। बता दें, अप्रैल में ईरान के इस्लामिक रिवालयूनरी गार्ड कोंट्रॉल की गनबोट्स ने भारतीय झंडे वाले दो टैंकरों पर चेतावनी के चार पर गोलियां चलाई थीं।

एनएसए अजीत ने छात्रों को सुनाया वे किस्सा

हमारे लोगों को चीनी सेना ने पकड़ लिया था, मुझे लगा मेरा करियर खत्म

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने आईआईटी रुड़की के दीक्षांत समारोह में अपने जीवन का एक रोचक किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा कि मैं 20 वर्ष का आईपीएस था, और सिक्किम में इंटेलिजेंस का इंचार्ज था। मेरी जिम्मेदारी में बॉर्डर वाले इलाकों की देखभाल करना और पोएलएफ की हलचल, चीनी सेना की

गतिविधियों के बारे में इंटेलिजेंस इकट्ठा करना था। बॉर्डर वाले इलाके में एक इंटेलिजेंस मिशन भेजा था। उन्हें पांच दिन बाद वापस आना था। 10 दिन बाद भी वे लौप आए। एक दिन मेरे बॉस ने मुझे बताया कि वे अब चीनी हिरासत में हैं। बाद में वे वापस आ गए। अजीत डोभाल ने कहा कि मुझे पता था कि यह मेरे करियर का अंत था। जांच पूरी हो गई। मुझमें कोई गलती नहीं पाई गई, शायद मैंने सब कुछ सही किया था।

तीन दिवसीय रूस यात्रा पर थल सेना प्रमुख मिलिट्री आर्टिलरी अकादमी पहुंचे तोपखाना आधुनिकीकरण पर जोर

एजेसी ►► मॉस्को

रूस की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर गए भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने सेंट पीटर्सबर्ग स्थित ‘मिखाइलोव्स्काया मिलिट्री आर्टिलरी अकादमी’ का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अकादमी के संकाय सदस्यों से प्रशिक्षण पद्धतियों और तोपखाने के आधुनिकीकरण से जुड़े मुद्दों पर बातचीत की। भारतीय सेना ने बताया कि यात्रा के दौरान जनरल धीरज सेठ को सेंट पीटर्सबर्ग के पीटर एंड पॉल फोर्ट्स



में पारंपरिक तोप दागने का विशेष समान भी दिया गया। दौरे के दौरान भारतीय थल सेना प्रमुख ने प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं और आधुनिक समय की सैन्य जरूरतों के मुताबिक आर्टिलरी को विकसित करने से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया।

भारत ने नेपाल मेजी मदद की एक और खेप

11 टन राहत सामग्री में हाइजिन किट और दवाएं शामिल, काठमांडू ने जताया आभार

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत ने पड़ोसी देश नेपाल को विनाशकारी बाढ़ के बाद की विषम परिस्थितियों से निपटने के लिए मदद की एक और बड़ी खेप भेजी है। इस राहत सामग्री में दवाओं के साथ ही फोरेसिक का सामान शामिल है। भारतीय वायुसेना का विमान ये सभी राहत सामग्री लेकर रवाना किया गया। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट द्वारा इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि भारत ने नेपाल को राहत सामग्री की 11 टन और खेप भेजी। नेपाल की रिकवरी में मदद के लिए राहत सामग्री ले जाने वाला यह भारतीय वायुसेना का नौवां विमान था।

नेपाल के वित्त मंत्री ने जयशंकर से की मुलाकात

नेपाल के वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वाग्ले ने भारत के वित्त मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात की। वाग्ले ने ने रसुवा में आई अचानक बाढ़ के बाद बचाव और राहत कार्यों में भारत सरकार द्वारा दिए गए समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। दोनों मंत्रियों ने नेपाल-भारत की दीर्घकालिक मित्रता को और गहरा करने और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की, विशेष रूप से निवेश, ऊर्जा और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में। जयशंकर ने कहा कि नेपाल को राहत सामग्री की एक और खेप (11 टन) भेजी गई, जिसमें दवाएं, फोरेसिक का सामान, टेंट, हाइजीन किट, स्टाफिंग बैग और अन्य जरूरी चीजें शामिल हैं।



पुष्पदंत भगवान को किए निर्वाण लड़ू समर्पित

औबेदुल्लागंज। पर्यूषण पर्व के चौथे दिन शनिवार को भगवान पुष्पदंत भगवान का मोक्ष कल्याणक मनाया गया। पुष्पदंत भगवान की पूजा-अर्चना कर निर्वाण लड़ू समर्पित किए गए। मुख्य बाजार स्थित प्राचीन दिगंबर जैन मंदिर, रेलवे स्टेशन रोड स्थित पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर एवं तामोेट स्थित दिगंबर जैन मंदिर में श्रद्धालुओं ने उत्तम शौच धर्म की पूजा-अर्चना की। इस दौरान ऐलंक श्री दयासागर महाराज के सानिध्य में धार्मिक अनुष्ठान एवं प्रवचन हुए। ऐलंक दयासागर महाराज ने प्रवचन में कहा कि जीवन को सुखी एवं समृद्ध बनाने के लिए स्वच्छता और सफाई जरूरी है। इसी आंतरिक शुद्धता का नाम शौच धर्म है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को जीवन में तृष्णा का त्याग कर संतोष को धारण करना चाहिए।

दिवटिया की बेटी मेघा का असम राइफल में चयन

औबेदुल्लागंज। ग्राम दिवटिया निवासी पंडित कमल किशोर शर्मा (महेश शर्मा) की बड़ी बेटी मेघा शर्मा का चयन असम राइफल में



हुआ है। मेघा शर्मा बृजेश कुमार पांडे, सुल्तानिया की धर्मपत्नी हैं। मेघा ने अपने मायके दिवटिया एवं

ससुराल सुल्तानिया दोनों का नाम रोशन किया है। ग्रामीण क्षेत्र की बेटी का केंद्रीय सुरक्षा बल में चयन होना पूरे अंचल के लिए गर्व की बात है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे गांव में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर परिजनों, ग्रामीणों एवं इष्ट मित्रों ने मेघा को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

जिला न्यायालय में लगा रक्तदान शिविर

भोपाल। जिला न्यायालय में शनिवार को विशेष सत्र न्यायाधीश राजर्षि श्रीवास्तव की अध्यक्षता में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ विशेष न्यायाधीश राजर्षि श्रीवास्तव ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर न्यायाधीश, अधिकवक्ता एवं लीगल एड डिफेंस कार्टसिल, न्यायालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर में 31 यूनिट का रक्तदान हुआ। विशेष सत्र न्यायाधीश राजर्षि श्रीवास्तव ने उपस्थित लोगों को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया। रक्तदान कर रहे दानदाताओं को भविष्य में भी नियमित अंतराल पर रक्तदान का संकल्प दिलाया।

बिजली कंपनियों में 49 हजार पदों पर भर्ती नहीं

भोपाल। ऊर्जा विभाग ने 25 अगस्त 2025 को भोपाल के बिजली कंपनी के एक कार्यक्रम में छह बिजली कंपनियों में 49 हजार रिक्त पड़े पदों पर भर्ती की सार्वजनिक घोषणा की थी। एक वर्ष बीतने पर भी अब तक इस पर अमल नहीं हुआ है। ना तो अब तक भर्ती हेतु विज्ञापन जारी हुआ है और ना ही भर्ती की समयबद्ध योजना बनी है। मप्र बिजली आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव एवं जनता युनियन के उपाध्यक्ष नरेन्द्र भदौरिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और ऊर्जा विभाग के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर रिक्त पदों पर जल्द से जल्द भर्ती करने की मांग की है। भार्गव के मुताबिक गत 50 वर्षों से चले आ रहे तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के सुरक्षा सैनिक, दफ्तरी, चपरासी, स्वीपर जैसे दो दर्जन प्रकृति के करीब 23 हजार पदों को खत्म से बिजली कंपनियों में अनुकम्पा नियुक्ति के लिए प्रतीक्षारत पचासों विधवा महिलाएं बिजली कंपनियों में तृतीय व चतुर्थ श्रेणी पद पाने के लिए दर-दर की ठोकरे खा रही हैं।

शुभांक			
कर्याण:	1235		
दिन:	266	43	247
रात:	599	35	357
तारा:			
दिन:	344	17	124
रात:	138	29	234

पेट में एसली के पास लगा चाकू दांया गाल भी बुरी तरह से कटा

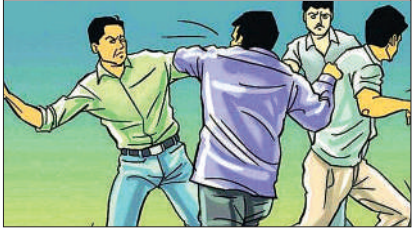
हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित प्रभात चौराहे के पास कलारी से कुछ दूरी पर आंटी चालक का बदमाश से विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर बदमाश ने आंटी चालक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। उसने चाकू से आंटी चालक पर दो वार किए थे।

पहला वार दाएं गाल पर तो दूसरा वार पेट पर पसली के पास किया गया। इससे आंटी चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका हमोदिया अस्पताल में इलाज चल

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित प्रभात चौराहे के पास हुई वारदात

रहा है। पुलिस ने आंटी चालक के भाई की शिकायत पर आरोपी को खिलाफ हत्या क प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार आसिफ अली ने शिकायत करते हुए बताया कि उनका भाई इमरान (30)



मोरारजी नगर, पुल बोगदा के पास ऐशबाग में रहता है और आंटी चलाता है। शुक्रवार रात इमरान प्रभात चौराहा पर वाइन शॉप के पास था। इस दौरान इक्का नामक युवक से उसका विवाद बढ़ गया। इक्का ने उस पर चाकू से हमला कर दिया।

जुआ खेलने वालों में दो एसएफ के जवान मिले

शाहपुरा में घर में चल रही थी जुए की फड़, तेरह जुआरी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित जे-36 बंगाली मोहल्ला में पुलिस ने छापामार कार्रवाई करते हुए 13 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। जुआरियों से एक लाख चार हजार रुपए की नगदी सहित ताश की गड्डी और चौदह मोबाइल बरामद किए। यहां रहने वाला विकास वशिष्ठ अपने घर में जुए की फड़ बैठाकर रखा था। पुलिस जुआरियों पर जुआ एक्ट की धाराओं में कार्रवाई कर रही है।

पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि शाहपुरा में जे-36 में रहने वाला विकास अपने घर पर जुए की फड़ का संचालन करता है। पुलिस ने घेराबंदी करते हुए दबिश दी। इस दौरान फड़ में 13 लोग बैठे हुए नजर आए। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर उनके पास से मोबाइल जब्त कर लिया। साथ ही ताश की गड्डी और एक लाख चार हजार रुपए की नगदी भी बरामद की है। जुआ खेलने वालों में दो एसएफ के पुलिसकर्मी भी बताए जा रहे हैं।

जौके पर यह धराए गए

संदीप कुमार दीक्षित इंजीनियरल हारमीनी कटारा हिल्स, विकास पाश्वाण, शाहपुरा गांव, बंगाली मोहल्ला, दीपक ठाकुर शहाजहाबाबाद, नरेश कुशवाह नेहरू नगर, वीरेन्द्र पटेल छोला, जमीर खान तलेया, अरबाज चूनामट्टी, मोहित वर्मा, चूनामट्टी, देशराज यादव, बंसल हौमपटल के पास, चूनामट्टी, सरस्वती साहू राहुल नगर, धर्मेन्द्र परिहार बिट्टुन मार्केट हबीबगंज, प्रह्लाद साहू दुर्गा नगर बागसेवनिगा यशवंत दुबे कान्ठकुंज कोलार।

बिहार तक पीछा करने के बाद क्राइम ब्रांच ने पांच हजार रुपए के इनामी चरस सप्लायर को पकड़ा

क्राइम ब्रांच ने चरस तस्करी के मामले में फरार इनामी चरस सप्लायर को बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पांच हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार चरस तस्करी के मामले में नौशीन खान और जावेद खान समेत अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपियों के कब्जे से करीब 1.630 किलो चरस बरामद हुई थी।

पूछताछ में मुख्य सप्लायर समताज मियां का नाम सामने आया, जो घटना के बाद से फरार था। लगातार जांच होने के कारण उसकी गिरफ्तारी पर पांच हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। फरार आरोपी की तलाश में क्राइम ब्रांच की टीम ने जबलपुर, मैहर, रीवा, वाराणसी, जमशेदपुर, देवघर, पटना और मुजफ्फरपुर होते हुए बिहार के बेतिया तक दबिश दी।

भोपाल लाकर आरोपी को न्यायालय में किया पेश

रक्सौल, नरकटियागंज और बेतिया में तलाश के बाद तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने समताज मियां (34) निवासी मल्लुहिया थाना पुरुषोत्तमपुर बिहार को मैनाटांड चौराहे, बेतिया से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को स्थानीय न्यायालय से ट्रिजिट रिमांड पर लेकर भोपाल लाया गया और न्यायालय में पेश किया गया। कार्रवाई पुलिस आयुक्त संजय कुमार, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मौनिका शुक्ला के निदेशन तथा अपराध शाखा के अधिकारियों के मार्गनिर्देशन में की गई।

कॉलेज में आज भी किया जाएगा आयोजन

वित्तीय बाजारों, जिम्मेदार निवेश करने दिए कई महत्वपूर्ण टिप्स



हरिभूमि न्यूज़ ►► संतनगर

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट्स ने भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के सहयोग से भोपाल स्थित संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट फॉर विमेन में राष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता क्विज 2026 के केंद्रीय क्षेत्रीय चरण की शुरुआत की। दो दिवसीय क्षेत्रीय चरण 19 और 20

संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट फॉर विमेन में राष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता क्विज 2026

सितंबर को आयोजित किया जा रहा है, जिसमें मप्र और छत्तीसगढ़ के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। इस चरण के माध्यम से उन टीमों का चयन किया जाएगा, जो नवंबर में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता क्विज के ग्रैंड फिनाले में आगे बढ़ेंगी। भोपाल में आयोजित कार्यक्रम छठा क्षेत्रीय चरण है। इससे पहले गुवाहाटी, कोलकाता, मुंबई, नई दिल्ली, बेंगलुरु में आयोजन हुए हैं।

आज रात 8 बजे से श्याम संकीर्तन का होगा आयोजन भक्तों को आकर्षित कर रही मां महाकाली गणेश उत्सव समिति की झांकी



हरिभूमि न्यूज़ ►►औबेदुल्लागंज

रेलवे फाटक के पास जय मां महाकाली गणेश उत्सव समिति आकर्षक झांकी श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। जय मां महाकाली गणेश उत्सव समिति के सदस्य सुमित साहू, निखिल साहू, गोल्डी जायसवाल, सौरभ साहू, सुजल कहार, सिटू जायसवाल, अभिषेक जायसवाल, सचिन जायसवाल, स्पर्श चौहंसिया ने बताया कि 20 सितंबर रविवार को रात्रि 8 बजे से श्याम संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कोटा के प्रसिद्ध भजन गायक राहुल शर्मा और सुजलपुर की प्रसिद्ध भजन गायिका पूजा सिंह अपनी सुंदर भजनों की प्रस्तुति देंगी। श्रद्धालुओं से धर्मलाभ लेने की अपील की गई है।

16 वर्षों से भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित

अर्जुन नगर में श्री महा गणेश उत्सव समिति द्वारा पिछले लगभग 16 वर्षों से भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित कर गणेश उत्सव उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। समिति द्वारा प्रतिवर्ष धार्मिक आयोजन एवं विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से क्षेत्र में उत्सव का माहौल बनाया जाता है। समिति के अध्यक्ष आकाश हैं। आयोजन को सफल बनाने में समिति के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। समिति में भगवानदास कहार, आकाश लोधी, मोनू लोधी, सचिन कहार, राजेश लोधी, मनोज लोधी, अंकित लोधी, अमन लोधी, दीपक लोधी, सोनू साहू, विककी लोधी, राजा लोधी, विशाल लोधी, मोटी नगर एवं सूरज साहू सहित अन्य सदस्य सक्रिय रूप से सहयोग करते हैं। समिति के सदस्यों ने बताया कि पिछले 16 वर्षों से लगातार भगवान गणेश की स्थापना कर क्षेत्रवासियों के सहयोग एवं सहभागिता से उत्सव मनाया जा रहा है। इस दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिलता है और गणेश उत्सव क्षेत्र की धार्मिक एवं सामाजिक एकता का प्रतीक बन चुका है।



माई को कॉल कर लोगों ने दी मामले की सूचना

घटना की जानकारी आसपास के लोगों ने उसे मोबाइल पर कॉल कर दी थी। वह मौके पर पहुंचा और माई को अस्पताल ले गया। आसपास के लोगों ने बताया कि इक्का के साथ और भी लोग थे। इधर सूचना पर पहुंची पुलिस ने इमरान से पूछताछ करने का प्रयास किया, लेकिन उसके गाल में चाकू का गंभीर घाव था और पेट में भी गहरा घाव होने के कारण वह कुछ बता नहीं सका। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज चेक कर रही है।

चाय कैफे संचालक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित महिंद्रा ग्रीन वुड्स कॉलोनी जाटखेड़ी में चाय कैफे संचालक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात उसका शव आसपास के लोगों ने खिड़की से फांसी के फंदे पर लटका देखा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है। मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। गाजीपुर उत्तर प्रदेश से परिजन के पहुंचने के बाद उसके शव का पीएम कराया जाएगा। पुलिस के अनुसार शिवराम कृष्ण पांडे (35) गाजीपुर उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। वह महिंद्रा ग्रीन वुड्स कॉलोनी जाटखेड़ी में रहता था और दस नंबर पर चाय कैफे का संचालन करता था। उसका कैफे अभी ठीक से नहीं चल रहा था और बंद कर रखा था।

‘ग्लोबल माॅम शेफ 2026’ स्वस्थ टिफिन प्रतियोगिता का आयोजन माॅम ने बच्चों के लिए बनाए लौकी के नूडल्स, रागी मोमोज

हरिभूमि न्यूज़ ►►औबेदुल्लागंज

ग्लोबल स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस में माताओं के लिए ‘ग्लोबल माॅम शेफ 2026’ स्वस्थ टिफिन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें माताओं ने कम समय में बनने वाले स्वादिष्ट, पौष्टिक और बच्चों की पसंद के टिफिन तैयार किए।

लौकी के नूडल्स, रागी मोमोज सहित लजीज व्यंजन आकर्षण का केंद्र रहे। प्रतियोगिता में एलजी से भौमिक, इडली एंड मोर से रिचा

किराना व्यापारी पर डंडे और तलवार से जानलेवा हमला

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित बिशनखेड़ी में रंजिश में किराना दुकान व्यापारी पर अन्य व्यापारी और उसके परिवार के लोगों ने डंडे और तलवार से जानलेवा हमला कर दिया। तलवार पैर में लगने से व्यापारी को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने व्यापारी की शिकायत पर चार आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार बृजमोहन राठौर (50) बिशनखेड़ी में रहते हैं और घर पर ही किराना दुकान संचालन करते हैं। उनकी दुकान के सामने अजय की किराना दुकान है। आमने सामने दुकान होने के कारण पहले से दोनों में रंजिश चली आ रही है। बृजमोहन का भतीजा अभिषेक गुरुवार रात चाचा की दुकान के सामने खड़ा था। इस दौरान उसका एक अन्य साथी था।

आमने-सामने दुकान, गाली गलौज से बढ़ा विवाद

दोनों युवक एक-दूसरे से गालीगलौज कर रहे थे। सामने दुकान में बैठे अजय को लगा कि गालीगलौज उसके साथ की जा रही है। गालीगलौज करने की बात को लेकर अजय का विवाद अभिषेक से हो गया। विवाद में बृजमोहन राठौर भी पहुंच गए। इधर अजय के घर से अरुण भैयालाल सहित सुनील पहुंच गया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। मारपीट के दौरान डंडे और तलवार भी निकल आईं। तलवार बृजमोहन के पैर में लगी है।

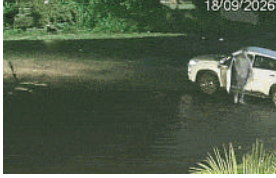
मुख्यमंत्री निवास के पास नादिर कॉलोनी की घटना

गार्ड को पिस्टल दिखा धमकाने वालों के भागने वाली सड़क का रूटमैप तैयार कर रही पुलिस

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

श्यामला हिल्स स्थित मुख्यमंत्री निवास के पास नादिर कॉलोनी के सुरक्षा गार्ड को पिस्टल दिखाकर धमकाने वाले बदमाशों का अब तक सुरग नहीं लगा है। आरोपियों तक पहुंचने पुलिस कॉलोनी के गेट और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है। फुटेज से रोडमैप तैयार कर आरोपी तक पहुंचने का प्रयास है।

पुलिस के अनुसार 17-18 सितंबर की दरमियानी रात करीब डेढ़ बजे का सवार कुछ लोग नादिर कॉलोनी के मुख्य गेट पर पहुंचे। इयूटी पर तैनात सुरक्षा गार्ड अश्विनी ने रात अधिक होने और सदिग्ध लगने पर गेट खोलकर अंदर



जाने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद कार सवार वहां से चले गए, लेकिन कुछ देर बाद दोबारा लौट आए। आरोप है कि इस दौरान कार सवार एक व्यक्ति ने लोडेड पिस्टल निकालकर हवा में लहराई और फिर गार्ड पर तानकर उसे धमकाया। इसके बाद आरोपी वहां से फरार हो गए। घटना के बाद कॉलोनी एसोसिएशन ने नादिर कॉलोनी थाने में शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर कॉलोनी के गेट पर लगे सीसीटीवी के फुटेज लिए हैं।



तथा द फाउंडर किड से कनिका ने निर्णाचक की भूमिका निभाई। व्यंजनों का मूल्यांकन स्वाद, पौष्टिकता, सजावट, नयेपन, बनाने

में लगने वाले समय तथा बच्चों के लिए उपयुक्त और पेट भरने वाला होने के आधार पर किया गया। प्रथम पुरस्कार केजी-1 की छात्रा हजरा

विश्व रोगी सुरक्षा दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता कार्यक्रम

सेवा सदन अस्पताल में पेशेंट सेप्टी को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर विशेष जोर

हरिभूमि न्यूज़ ►►संतनगर

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में विश्व रोगी सुरक्षा दिवस के उपलक्ष्य में एडीआर रिपोर्टिंग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार से सुश्री आरनिका जैन, पेशेंट सेप्टी एवं फार्माकोविजिलेंस एसोसिएट उपस्थित रहीं। उन्होंने रोगी सुरक्षा, दवाइयों के सुरक्षित उपयोग तथा फार्माकोविजिलेंस के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी।

इस अवसर पर ट्रस्टी हीरो ज्ञानचंदानी, सुरेश आवतरामानी, नेत्र चिकित्सक डॉ. प्रेरणा उपाध्याय, डॉ. समता पटेल, डॉ.



सोनल गौर, डॉ. सरिता कुमार, डॉ. प्रीति बन्हाने, अस्पताल प्रशासक अनुषा तिवारी पाठक, एचआर मैनेजर रिकी सिंघल, क्वालिटी मैनेजर एवं कार्यक्रम संयोजक मो. इमरान खान सहित पैरामेडिकल स्टाफ व प्रबंधन सदस्य मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान अस्पताल में आने वाले मरीजों को सुरक्षित एवं

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक सावधानियों पर चर्चा की गई तथा अस्पताल में पेशेंट सेप्टी की सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया गया।

इसी कड़ी में सेवा सदन में फॉयर सेप्टी के लिए एक मार्केड्रिल का भी आयोजन किया गया।

आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की

जर्जर मकानों पर चला बुलडोजर अठारह भवनों को किया चिन्हित

हरिभूमि न्यूज़ ►►औबेदुल्लागंज

नगर परिषद औबेदुल्लागंज द्वारा नगर क्षेत्र में जर्जर एवं जोखिमपूर्ण मकानों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया गया। नगर परिषद ने सुरक्षा की दृष्टि से 18 जर्जर मकानों को चिन्हित कर उन्हें हटाने की कार्रवाई शुरू की है। कार्रवाई के दौरान नगर परिषद अधिकारी किरण रहंगडाले एवं नायब तहसीलदार निलेश सरनटे मौके पर मौजूद रहे।

नगर परिषद द्वारा बताया गया कि जर्जर भवनों से संभावित दुर्घटनाओं को रोकने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की जा रही है। बुलडोजर की कार्रवाई के दौरान स्थानीय लोगों की मौजूदगी में जर्जर मकानों का मलबा हटकर क्षेत्र को खाली कराया गया। आसपास रहने वाले



लोगों से भी जर्जर भवनों को खाली करने की अपील की गई, ताकि किसी प्रकार की अग्रिय घटना से बचा जा सके। नगर परिषद की इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य कमजोर एवं जर्जर भवनों से संभावित दुर्घटनाओं को रोकना तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना बताया गया है।

वास्तविक समस्याओं के समाधान खोजेंगे विद्यार्थी, 22 से लगेगा भोपाल विज्ञान मेला

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

22 से 26 सितंबर तक बीयू में भोपाल विज्ञान मेले का आयोजन किया होगा। मेला विज्ञान भारती मध्य भारत प्रान्त, मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिसर (एमपीसीएसटी) एवं बीयू के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हो रहा है। इसमें वैश्विक स्तर के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक जिसमें एक सीएसआईआर के पूर्व महानिदेशक डॉ. शेखर मांडे जो विज्ञान भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष भी हैं और राममंदिर वास्तुविद सोमपुरा परिवार से आशीष सोमपुरा उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में वरिष्ठ वास्तुविद पद्मश्री चन्द्रकांत बी. सोमपुरा को विज्ञान प्रतिभा सम्मान 2026 से सम्मानित किया जाएगा। मेले में सामाजिक एवं राष्ट्रीय आवश्यकताओं के लिए नवाचार आधारित डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी चुनौती को आधार बनाकर विद्यार्थियों को सिर्फ वैज्ञानिक मॉडल प्रदर्शित करने के बजाय समाज में मौजूद वास्तविक समस्याओं के तकनीकी समाधान विकसित करने का अवसर दिया जाएगा।

वरिष्ठ वास्तुविद पद्मश्री सोमपुरा को विज्ञान प्रतिभा सम्मान 2026 से सम्मानित किया जाएगा



प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते डॉ. अनिल कोवारी, डॉ. धीरेन्द्र स्वामी, डॉ. पवन मिश्रा, डॉ. विकास शेंडे, तसनीम हबीब, रत्नेश सिंह।

100 से अधिक प्रोजेक्ट होने आकर्षण

मेले की विशेष पहल 'नवाचार संगम' में इस बार 100 से अधिक परियोजनाएं प्राप्त हुई हैं। विद्यार्थियों ने कृषि, फसल सुरक्षा, कृषि उत्पादों के बाजार एवं विपणन, हाथ ठेला संचालन, श्रमिकों की सुरक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, अपशिष्ट प्रबंधन और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों की समस्याओं को आधार बनाकर समाधान तैयार किए हैं। आयोजकों के अनुसार, विद्यार्थियों को समस्या की पहचान से लेकर उसके विश्लेषण, प्रयोग, मॉडल निर्माण और व्यावहारिक समाधान विकसित करने की प्रक्रिया से जोड़ना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है। इसके लिए विद्यार्थियों को संबंधित समस्या से जुड़े लोगों/कृषिजैसे किसान, श्रमिक, मैकेनिक या तकनीशियन/कृषे बातचीत कर समस्या को समझने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया है।

इसरो, आईआईटी समेत 53 संस्थाएं होंगी शामिल

मेले में देश की प्रमुख वैज्ञानिक एवं तकनीकी संस्थाएं अपने अनुसंधान और तकनीकी उपलब्धियों को प्रदर्शित करेंगी। करीब 53 वैज्ञानिक संस्थाओं, उद्योगों एवं संगठनों की सहभागिता प्रस्तावित है। इनमें इसरो, आईआईटी, आईआईएसईआर, सीएसआईआर, एमपीसीएसटी, आरआरसीएटी, एनटीपीसी, सीआईएल और जीएआईएल सहित अन्य संस्थाएं शामिल हैं। महाप्रदर्शन के माध्यम से विद्यार्थियों और आम नागरिकों को देश में हो रहे वैज्ञानिक अनुसंधान तथा तकनीकी विकास को करीब से समझने का अवसर मिलेगा।

वैज्ञानिकों से सवाल करेंगे विद्यार्थी

मेले में 'सीधा संवाद' कार्यक्रम भी होगा, जिसमें विद्यार्थियों को वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों से सीधे बातचीत का अवसर मिलेगा। विद्यार्थी विज्ञान, अनुसंधान, तकनीक और वैज्ञानिक कैरियर से जुड़े सवाल विशेषज्ञों के सामने रख सकेंगे। इसके साथ ही 'मेला दर्शन' के तहत विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों को विज्ञान मेले का भ्रमण कराया जाएगा। वे वैज्ञानिक संस्थाओं के प्रदर्शन, नवाचार परियोजनाओं और तकनीकी मॉडलों को प्रत्यक्ष रूप से देख सकेंगे। इस आयोजन का विशेष जोर वैज्ञानिक ज्ञान को समाज की वास्तविक समस्याओं के व्यावहारिक समाधान में बदलने और विद्यार्थियों में नवाचार की सोच विकसित करने पर है।



बिजल शाह बनीं 'इंडिया के टॉप 1%' की पहली विजेता

मुझे गर्व है कि पहली ऐतिहासिक जीत एक महिला के नाम रही

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

स्टार प्लस के नए गेम शो 'इंडिया के टॉप 1%' – द अनिल कपूर शो' की शुरुआत एक ऐतिहासिक जीत के साथ हुई। ग्रैंड प्रीमियर एपिसोड में मुंबई की बिजल शाह ने अपनी सूझबूझ और शानदार खेल के दम पर शो की पहली विजेता बनने का गौरव हासिल किया और 94 लाख रुपए की बड़ी धनराशि अपने नाम की।

केवल पुरस्कार राशि तक सीमित नहीं उपलब्धि

बिजल की यह उपलब्धि केवल पुरस्कार राशि तक सीमित नहीं है। उनकी जीत उस सोच को मजबूती देती है कि सही नजरिया और सोचने का अलग अंदाज किसी भी मुकाम तक पहुंच सकता है। अलग-अलग क्षेत्रों में बाधाओं को तोड़कर इतिहास रचने वाली महिलाओं की सूची में अब बिजल का नाम भी जुड़ गया है। पूरे खेल के दौरान उन्होंने अपना संयम बनाए रखा और अपनी सूझबूझ पर भरोसा किया।

प्रेजेंस ऑफ माइंड और स्ट्रीट-स्मार्ट सोच जरूरी

बिजल की ऐतिहासिक जीत पर शो के होस्ट अनिल कपूर ने कहा कि बिजल ने पहले ही एपिसोड में दिखा दिया कि 'इंडिया के टॉप 1%' तक पहुंचने के लिए सिर्फ प्रेजेंस ऑफ माइंड और स्ट्रीट-स्मार्ट सोच की जरूरत होती है। वह पूरे खेल के दौरान शांत, सतर्क और हर चुनौती के लिए तैयार रहीं। हमारी ग्रैंड ओपनिंग इससे ज्यादा धमाकेदार नहीं हो सकती थी।

बरखा महोत्सव: गजलों की बरखा ने बांधा समां, संगीत साधक हुए अभिनव संगीत रत्न 2026 से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

शहर में रिमझिम फुहारों के बीच शनिवार शाम कला प्रेमियों के लिए खास रही। नृत्य, नाट्य और संगीत की अभिनव कलाओं की 65 वर्ष पुरानी संस्था अभिनव कला परिषद द्वारा मानस भवन में आयोजित बरखा महोत्सव में कला रसिकों ने मशहूर गजलकारों की गजलों का संगीतमय लुक उठाया। मुंबई से आर्य गजल गायिका एवं संगीतकार श्रद्धा जैन ने अपनी आवाज से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर सात संगीत कला साधकों को सम्मानित किया गया।



सात संगीत साधकों को मिला सम्मान

कार्यक्रम की शुरुआत कला साधकों के संगीत क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान से हुई। मुंबई से श्रद्धा जैन, इंदौर से तबला वादक पंडित हितेन्द्र दीक्षित एवं कथक अवसर पर सात संगीत कला नृत्यांगना डॉ संतोष देसाई, भोपाल से शास्त्रीय गायिका भारती सिंह राजपूत, संतूर वादिका श्रुति

अभिनव कला परिषद के बरखा महोत्सव में मुंबई की श्रद्धा जैन ने सुनाई गजलों

सम्मान के साथ निभाई 65 वर्षीय परम्परा

अध्यक्ष, शास्त्रीय गायिका सुलेखा धरकर भट्ट एवं ध्रुपद गायिका सुरेखा कांबले को अभिनव संगीत रत्न 2026 से सम्मानित किया गया। सूचना आयुक्त राजेश भट्ट, शेखर करहाड़कर, डॉ लता मुंशी, डॉ मीरा दास, कला गुरु श्री श्रीधर व्यास सहित प्रदेश के सम्मानित कला साधक एवं रसिक उपस्थित रहे।

सम्मान के बाद लगी गजलों की झड़ी, श्रोता हुए मंत्रमुग्ध

कला साधकों के सम्मान पश्चात श्रद्धा जैन ने मशहूर गजलकारों की गजलों की सुरमयी प्रस्तुति दी। महंम गजलकार डॉ बशीर बद्र की चर्चित गजल 'होंतों पर मोहब्बत के फसाने नहीं आते' से उन्हें याद किया गया। राजेश रेड्डी की गजल 'रंग मौसम का था, पहले पेड़ ये कितना घना था पहले', हस्तीमल हस्ती की रचना 'मुस्कुराए जा रहे हो, किसी से मिलकर आ रहे हो', शब्दों की संवेदना और सुरों की नजाकत के साथ जगजीत सिंह की लोकप्रिय गजल 'होश वालों को खबर क्या' को राग मेघ में प्रस्तुत कर श्रोताओं के कानों में सुरिली मिठास घाली।

हिंदी भवन में 'वरिष्ठ विमर्श' संपन्न

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

मप्र राष्ट्रभाषा प्रचार समिति नियमित श्रंखला 'वरिष्ठ विमर्श' का आयोजन शनिवार, 19 सितम्बर को हिन्दी भवन में संपन्न हुआ। विमर्श में इस बार 'राष्ट्रभाषा की दृष्टि क्या होना चाहिए' विषय पर विचार-विनिमय किया गया।

पूर्व प्रशासनिक अधिकारी केके सेठी की अध्यक्षता में हुए इस विमर्श में समिति के मंत्री डॉ. विकास दवे ने कहा कि हमें हिन्दी के प्रति हीनता नहीं, बल्कि गौरव का भाव जगाना होगा। तभी हम हमारी हिन्दी को अपेक्षित सम्मान दिला पाएंगे। समिति के कार्याध्यक्ष रघुनंदन शर्मा ने कहा कि हिन्दी को बढ़ाने में हिन्दी के लोग ही पीछे रहते हैं। जिस दिन हिन्दी को

हिंदी के प्रति 'हीनता' नहीं गौरव का भाव जगाना होगा



वरिष्ठजनों ने भाषा नीति को लेकर रखे विचार

हिन्दीभाषियों ने ही सम्मान दिया उस दिन हिन्दी गौरवशाली स्थान पा लेगी। वरिष्ठ चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. एनडी गांग्व ने कहा कि भाषा जोड़ती है। हमें दूसरी भाषाओं के प्रति भी सम्मान का भाव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को एक

से अधिक भाषा का ज्ञान होना चाहिए। डॉ. मीना शुक्ला का कहना था कि एक देश एक भाषा होनी चाहिए। विमर्श में डॉ. मंजू शुक्ला, राधारानी चौहान, सरोज दवे, वंदना जोशी, डॉ. गौरीशंकर गौरीश, गोकुल सोनी सहित अन्य प्रबुद्धजनों ने विचार रखे। संचालन विमर्श के संयोजक महेश सक्सेना ने किया।

अंग दान, देहदान करने वालों का सम्मान 'दधीचि सम्मान' से सम्मानित हुए अंगदाता परिवार

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

भोपाल में पहली बार दधीचि जयंती पर अंग दान, देहदान करने वालों का सम्मान समारोह जेके हॉस्पिटल के ऑडिटोरियम में हुआ। महर्षि दधीचि के महान त्याग को नमन करते हुए किरण फाउंडेशन ने यह आयोजन किया। इस अवसर पर अंगदाता परिवारों, सर्पित चिकित्सकों, सहयोगी संस्थाओं एवं एनजीओ, सामाजिक कार्यकर्ताओं, समर्थकों तथा अंगदान का संकल्प लेने वाले को सम्मानित किया गया। अंगदाता परिवारों को आज के दधीचि सम्मान एवं अंगदान के माध्यम से जीवन बचाने वाले चिकित्सकों को देवदूत-जीवन संरक्षक सम्मान से



सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रामेश्वर शर्मा ने अंगदाता परिवारों एवं समाज को प्रेरणादायी संदेश से प्रोत्साहित किया। बीएसएस कॉलेज के छात्रों द्वारा अंगदान जागरूकता पर लघु नाटिका का प्रदर्शन किया गया। इस

अवसर पर प्रमुख रूप से मनोहर आगनानी, प्रवीण माहेश्वरी ने देहदान, नेत्र दान, त्वचा दान को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर डॉ. एके चौधरी द्वारा मेडिकल साइंस पर लिखी पुस्तक का विमोचन विधायक शर्मा ने किया।

स्नेहपूर्वक कथा सहभोज, संवाद कर पढ़ाई और भविष्य के सपनों की ली जानकारी बेसहारा बच्चों के लिए 'सहारा' बने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, साथ मनाया गणेश उत्सव

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को विजय सेवा न्यास द्वारा गोद लिए गए बेसहारा बच्चों को अपने बेतुल स्थित निवास पर आमंत्रित कर उनके साथ गणेश उत्सव मनाया। बच्चों ने खंडेलवाल और उनके परिवार के साथ प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश जी की पूजा-अर्चना एवं आरती की। इसके बाद सभी बच्चों और उनके पालकों को स्नेहपूर्वक सहभोज कराया गया। गणेश उत्सव के इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खण्डेलवाल ने बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उनके विचार सुनें। उन्होंने बच्चों की पढ़ाई, रुचियों और भविष्य के सपनों के बारे में जानकारी लेते हुए उन्हें



जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर पूरी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों को भरोसा दिलाया कि उनकी शिक्षा, रोजगार और उज्ज्वल भविष्य के लिए हरसंभव सहयोग

निरंतर जारी रहेगा। श्री खण्डेलवाल ने कहा कि बच्चों के साथ केवल सेवा का नहीं, बल्कि अपनत्व और परिवार जैसा भावनात्मक रिश्ता है। यह रिश्ता निरंतर मजबूत होता रहे यही हमारा प्रयास है।

44 परिवारों के 69 बच्चों की शिक्षा की ली जिम्मेदारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा और समर्पण के 25 वर्ष के तहत देशभर में सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल द्वारा बीते वर्षों से विजय सेवा न्यास के माध्यम से विभिन्न सेवा प्रकल्प संचालित किए जा रहे हैं। खण्डेलवाल ने अपने पिता एवं पूर्व सांसद स्वर्गीय विजय कुमार खण्डेलवाल की स्मृति में स्थापित विजय सेवा न्यास के माध्यम से बीते दो वर्षों से सेवा के विभिन्न कार्यों को आगे बढ़ाया है। न्यास के 'बेसहारा को सहाय' सेवा प्रकल्प के अंतर्गत विभिन्न घटनाओं एवं दुर्घटनाओं में माता-पिता अथवा परिजनों को खोने वाले बच्चों को संरक्षण प्रदान किया जा रहा है। अब तक 44 परिवारों के 69 बेसहारा बच्चों को गोद लेकर उनकी कक्षा 12वीं तक की पढ़ाई की जिम्मेदारी ली गई है।

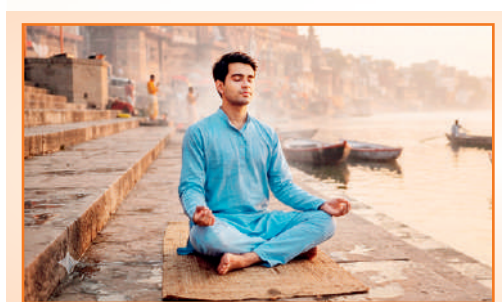


कवर स्टोरी / अंशु सिंह

हाल के वर्षों में हमारे यात्रा करने के तरीके में एक अलग तरह का बदलाव आ रहा है। तेजी से घूमने-फिरने और व्यस्त शेड्यूल के बजाय अब लोग घुमक्कड़ी के दौरान आराम, शांति और सुकून भरे पलों की तलाश कर रहे हैं। इसे स्लीपकेशन या स्लीप टूरिज्म कहा जा रहा है। यानी एक ऐसी सोच-समझकर की गई धीमी गति वाली यात्रा, जो भाग-दौड़ के बजाय आराम को प्राथमिकता देती है।

सोने के लिए जा रहे घूमने

पेशे से चिकित्सक मेघना सेठ की दिनचर्या कुछ ऐसी रहती थी कि उन्हें नींद पूरी करने के लिए जद्दोजहद करना पड़ती थी। नींद की इस कमी का असर कहीं न कहीं उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने लगा था। उनके व्यवहार में हल्का चिड़चिड़ापन भी आ गया था, जो उनके पेशे के लिए सही नहीं था। उनके कुछ दोस्तों ने उन्हें कहीं घूमने जाने की सलाह दी और मेघना निकल पड़ीं, दोस्तों के साथ चार दिन के वीकेंड ट्रिप पर। लेकिन पहले दिन के गुजरते ही उन्होंने सबको साफ-साफ कह दिया कि वे अब और कहीं घूमेंगी नहीं, बल्कि कमरे में आराम करेंगी और अपनी नींद पूरी करेंगी। दोस्तों को पहले पहल उनका साथ घूमने से इंकार करना अच्छा नहीं लगा। कुछ देर तक सबने मौन साध लिया। लेकिन फिर मेघना ने उन्हें राजी कर लिया और इस तरह अगले दो दिन वे रिजॉर्ट में ही रहीं। गुरुग्राम के एक एमएनसी में सीनियर एनालिस्ट अमित मिश्रा भी जब कभी फैमिली ट्रिप पर जाते हैं, तो ये सुनिश्चित करते हैं कि वहां उन्हें अपनी नींद पूरी करने का पूरा मौका मिले। इसलिए वे ज्यादा भाग-दौड़ या आस-पास के इलाकों को एक्सप्लोर करने के बजाय रिजॉर्ट में रहकर ही छुट्टियां मनाने को प्राथमिकता देते हैं।



गजल
डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

याद नहीं करता कोई भी

याद नहीं करता कोई भी वक्त निकल जाने के बाद हाथ छोड़ देते हैं अक्सर लोग संभल जाने के बाद

रूप-रंग, कौमार्थ उसे नित बांधे रखता है गुलशन से पास नहीं जाता फिर भौरा गुल के फल जाने के बाद

इश्क हुआ तो बेफिक्री में कुछ भी संभव हो जाता है डल जाता है हर सांघे में लौह पिघल जाने के बाद

दिल से जो भी निकलेगा वो लौट नहीं पाएगा फिर से जैसे लौट नहीं पाता है बीता कल जाने के बाद

केवल आप प्रतीक्षा करिए दिन के डल जाने का 'नवरंग' परदानों की भीड़ लगेगी शम्मा जल जाने के बाद

स्लीपकेशन घुमक्कड़ी के साथ मिलेगी भरपूर आराम वाली नींद

आज की भाग-दौड़ भरी जीवनशैली में अधिकतर लोगों को सुकून और चैन भरी नींद की कमी अक्सर महसूस होती है। इस कमी को पूरा करने में स्लीपकेशन का ट्रेंड बहुत कारगर साबित होता है। जहां घूमने के साथ ही भरपूर आराम का भी मौका मिलता है। स्लीपकेशन क्या है, इसका ट्रेंड क्यों बढ़ रहा है, आप भी जानना चाहेंगे।

दिल की बीमारी और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के बोझ को और बढ़ा रही है।

इसलिए बढ़ रहा स्लीपकेशन का ट्रेंड

यूपीएस सेंटर फॉर डिजिटल कंट्रोल एंड प्रिवेंशन जैसे बड़े हेल्थ ग्रुप के दिशा-निर्देशों की मानें, तो ज्यादातर स्वस्थ वयस्कों को बेहतर ढंग से काम करने के लिए हर रात 7 से 9 घंटे की नींद की जरूरत होती है। लेकिन 'लोकल सर्कल्स' का एक सर्वे बताता है कि आज लगभग 10 में से 6 भारतीय वयस्कों को छह घंटे से भी कम की बिना रुकावट वाली नींद मिलती है। करीब 50 फीसदी से अधिक काम-काजी लोग नींद की कमी से जूझ रहे हैं। इससे दिमाग पर बोझ बढ़ रहा है और वे

थका हुआ महसूस करते हैं। इस 'स्लीप डेब्ट' को दूर करने के लिए ही स्लीपकेशन पर जाने का चलन बढ़ रहा है।

टूरिज्म सेक्टर का नया बाजार आज कई बड़े टूरिज्म कॉर्पोरेट्स ने इस नए बाजार को देखते हुए ऋषिकेश, कूर्ग, केरल, धर्मशाला और उदयपुर के कई प्रीमियम वेलेनस रिजॉर्ट्स में इस उभरते सेक्टर के लिए तैयारी करनी शुरू कर दी है। इन रिजॉर्ट्स के कमरों में टीवी या डिजिटल गैजेट्स की मनाही होती है। कमरों में पूरी तरह सन्नाटा और अंधेरा बनाए रखने के लिए विशेष पर्दों का इस्तेमाल किया जाता है। सोने से पहले लेवेंडर एरोमा थैरेपी और विशेष मेलेटोनिन रिच डाइट या हर्बल टी दी जाती है, जो गहरी नींद लाने में मदद करती है। उत्तराखंड के मारचुला में एक रिजॉर्ट के संचालक कर्ण कहते हैं, 'आजकल की शहरी जिंदगी से हर कोई बाकिफ है। देर रात तक लैपटॉप पर काम करना, टीवी या मोबाइल देखना, एक ऐसी आदत बन गई है कि उससे छुटकारा नहीं मिल पा रहा। डेडलाइंस को पूरा करने के लिए पेशेवर लोग आधी-आधी रात तक स्क्रीन से चिपके होते हैं। इसका सेहत पर असर पड़ता है। इसलिए स्लीपकेशन के दौरान उनके सुकून का विशेष ध्यान रखा जाता है। कोई डिस्टर्ब न करे ताकि वे साथ आए दोस्तों अथवा परिजनों से बात करें। सुबह के समय उनके लिए योग एवं ध्यान और शाम को संगीत का सेशन रखा जाता है, जिससे कि उनका दिमाग शांत रहे और वे अच्छी नींद ले सकें।'*

नींद की कमी से परेशान हैं लोग

आज के दौर में बेशुमार काम, जिम्मेदारियों, रिश्तों को संभालना और रोजमर्रा की जिंदगी के लगातार मानसिक बोझ के बीच तालमेल बिठाना जरूरी हो गया है। इस बारे में वरिष्ठ मनोचिकित्सक गगनदीप कौर कहती हैं, 'दुनिया में नींद की कमी वाले देशों में जापान के बाद भारत दूसरे नंबर पर है। देश में नींद की कमी की समस्या पहले से ही मौजूद डायबिटीज, मोटापा,

अनोखा होता है स्लीपकेशन का अनुभव

- इसमें व्यक्ति को सुबह बिना अलार्म के जागना होता है।
- बादलों को घुमड़ते हुए देखने के साथ कोई गर्म पेय पीना।
- अपने विचारों को लिखना या पूरी तरह से शांति में बैठना।
- बिना किसी मंजिल के लंबी दूर पर यूं ही घूमने निकल जाना।
- इसमें कोई तय कार्यक्रम नहीं होता। हर पल को रिकॉर्ड करने का कोई दबाव नहीं होता।
- स्लीपकेशन के दौरान धीरे-धीरे कुछ बदलाव महसूस होते हैं।
- मेडिटेशन से मन शांत होने लगता है।
- शरीर आराम महसूस करने लगता है।

स्वंग / धर्म जोशी

आजकल अधिकतर शहरों की सड़कों पर जगह-जगह 'कार्य प्रगति पर है।' के बोर्ड लगे हुए दिख जाते हैं। बोर्ड धुंधला जाते हैं, मगर कार्य की गति नहीं मिल पाती है। प्रगति जमीन पर नहीं बल्कि केवल बोर्ड पर ही लिखी दिखाई देती है। यही वजह है कि जो गड़बे पिछली बारिश में नन्हे-नन्हे अवतरित हुए थे, वे अब पाताल के द्वार रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहे हैं। न जाने कितने दो पहिया वाहन सवार पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को खुद पर गिरा कर हमेशा के लिए उनकी स्मृति इनमें अंकित हो चुकी है।

इधर, शहर के लोग सड़क पर फैले कीचड़ की फिसलन से हलकान हो रहे हैं और उधर, नेता, अधिकारी, इंजीनियर और ठेकेदार स्वीकृत राशि पर अपनी-अपनी पकड़ बनाने के लिए बेताब दिख रहे हैं। यही कारण है कि जो कार्य तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीने के बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है। लोगों के घर धूल के गुबार से गुलजार हो रहे हैं। गृहिणियों का गृहकार्य बढ़ चुका है। वे सफाई में हाथ बंटाने के लिए अपने वीडो पावर का उपयोग कर

मेरी कॉलोनी में रहने वाले एक वृद्ध की दिनचर्या वर्षों से नहीं बदली थी। हर शाम वह चारपाई पर बैठकर दरवाजे की ओर टकटकी लगाए रहते। लोग समझते, शायद बेटे का इंतजार है। बेटा महीने में केवल एक बार आता। जल्दबाजी में हाल-चाल पूछता, दवाइयां रखता और कहता, 'पिताजी, किसी चीज की जरूरत हो तो बता दिया कीजिए।' वृद्ध मुस्कुरा देते, 'सब है बेटा कुछ नहीं चाहिए।' एक सदे रात वह चुपचाप इस दुनिया से विदा हो गए। घर समेटते समय बेटे ने उनका पुराना तकिया उठाया। तकिया भारी लगा। खोलकर देखा तो उसमें न पैसे थे, न गहने, केवल संभालकर रखी छोटी-छोटी पर्चियां थीं। घर पर्ची पर एक तारीख और अधूरी-सी टीस लिखी थी, 'आज बहुत मन था कि बेटा थोड़ी देर बैठ जाता।' 'आज पहली बार उनका अकेले खाया।' 'डॉक्टर ने कहा, बातें करते रहिए। मगर किससे?' 'आज बरामदे में दो कप चाय रखी दूसरी ठंडी हो गई।' सबसे आखिरी पर्ची पर लिखा था, 'अब उसे बुलाना मत। वह बहुत व्यस्त होगा।' पर्चियां पढ़ते-पढ़ते बेटे की आंखें धुंधला गईं। उसे पहली बार समझ आया कि उसने पिता की हर जरूरत पूरी की, पर उनके अकेलेपन को

कभी नहीं पढ़ा। उसने तकिा को सीने से लगा लिया। उस दिन वह पहली बार फूट-फूटकर रोया, क्योंकि दुनिया का सबसे महंगा तकिया वही होता है, जिसमें रुई नहीं, अधूरी प्रतीक्षाएं भरी हों। रश्ते अभाव से नहीं, उपेक्षा और प्रतीक्षा से दम तोड़ते हैं।

आज की भाग-दौड़ भरी जीवनशैली में अधिकतर लोगों को सुकून और चैन भरी नींद की कमी अक्सर महसूस होती है। इस कमी को पूरा करने में स्लीपकेशन का ट्रेंड बहुत कारगर साबित होता है। जहां घूमने के साथ ही भरपूर आराम का भी मौका मिलता है। स्लीपकेशन क्या है, इसका ट्रेंड क्यों बढ़ रहा है, आप भी जानना चाहेंगे।

दिल की बीमारी और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के बोझ को और बढ़ा रही है।

इसलिए बढ़ रहा स्लीपकेशन का ट्रेंड

यूपीएस सेंटर फॉर डिजिटल कंट्रोल एंड प्रिवेंशन जैसे बड़े हेल्थ ग्रुप के दिशा-निर्देशों की मानें, तो ज्यादातर स्वस्थ वयस्कों को बेहतर ढंग से काम करने के लिए हर रात 7 से 9 घंटे की नींद की जरूरत होती है। लेकिन 'लोकल सर्कल्स' का एक सर्वे बताता है कि आज लगभग 10 में से 6 भारतीय वयस्कों को छह घंटे से भी कम की बिना रुकावट वाली नींद मिलती है। करीब 50 फीसदी से अधिक काम-काजी लोग नींद की कमी से जूझ रहे हैं। इससे दिमाग पर बोझ बढ़ रहा है और वे

थका हुआ महसूस करते हैं। इस 'स्लीप डेब्ट' को दूर करने के लिए ही स्लीपकेशन पर जाने का चलन बढ़ रहा है।

टूरिज्म सेक्टर का नया बाजार

आज कई बड़े टूरिज्म कॉर्पोरेट्स ने इस नए बाजार को देखते हुए ऋषिकेश, कूर्ग, केरल, धर्मशाला और उदयपुर के कई प्रीमियम वेलेनस रिजॉर्ट्स में इस उभरते सेक्टर के लिए तैयारी करनी शुरू कर दी है। इन रिजॉर्ट्स के कमरों में टीवी या डिजिटल गैजेट्स की मनाही होती है। कमरों में पूरी तरह सन्नाटा और अंधेरा बनाए रखने के लिए विशेष पर्दों का इस्तेमाल किया जाता है। सोने से पहले लेवेंडर एरोमा थैरेपी और विशेष मेलेटोनिन रिच डाइट या हर्बल टी दी जाती है, जो गहरी नींद लाने में मदद करती है। उत्तराखंड के मारचुला में एक रिजॉर्ट के संचालक कर्ण कहते हैं, 'आजकल की शहरी जिंदगी से हर कोई बाकिफ है। देर रात तक लैपटॉप पर काम करना, टीवी या मोबाइल देखना, एक ऐसी आदत बन गई है कि उससे छुटकारा नहीं मिल पा रहा। डेडलाइंस को पूरा करने के लिए पेशेवर लोग आधी-आधी रात तक स्क्रीन से चिपके होते हैं। इसका सेहत पर असर पड़ता है। इसलिए स्लीपकेशन के दौरान उनके सुकून का विशेष ध्यान रखा जाता है। कोई डिस्टर्ब न करे ताकि वे साथ आए दोस्तों अथवा परिजनों से बात करें। सुबह के समय उनके लिए योग एवं ध्यान और शाम को संगीत का सेशन रखा जाता है, जिससे कि उनका दिमाग शांत रहे और वे अच्छी नींद ले सकें।'*

स्वंग / धर्म जोशी

कार्य प्रगति पर है !

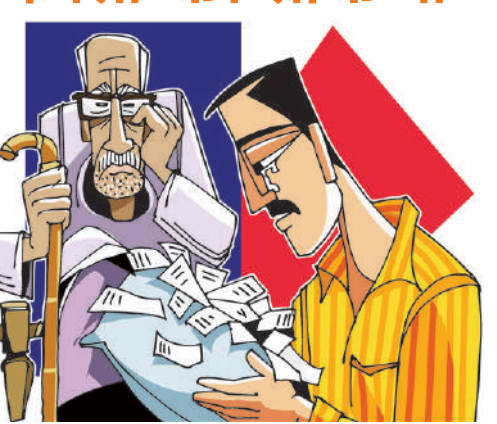
शहर के लोग सड़क पर फैले कीचड़ की फिसलन से हलकान हो रहे हैं और उधर, नेता, अधिकारी, इंजीनियर और ठेकेदार स्वीकृत राशि पर अपनी-अपनी पकड़ बनाने के लिए बेताब दिख रहे हैं। यही कारण है कि जो कार्य तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीने के बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है।

यही कारण है कि जो कार्य तीन महीनों में पूर्ण होना था, वो एक साल तीन महीने के बाद भी अधूरा पड़ा हुआ है।

घर के पुरुषों को भी बरामदे, कमरों और पोच की साफ-सफाई के लिए आदेश देती रहती हैं। इससे बचने के लिए काम-काजी पुरुष वर्ग, बहाने बनाकर अपने कार्यस्थल पर सुबह जल्दी जाते और शाम को विलंब से घर लौटते हैं। सड़क के किनारे मौजूद गटर और नालियां भी लंबे समय से अपने जीर्णोद्धार के लिए जल्दी हुई हैं, जिससे जमा गंदे पानी में मच्छरों के झुंड बिना रोक-टोक के

लघुकथा / कृति आर.के. जैन

पिता का तकिया



कभी नहीं पढ़ा। उसने तकिा को सीने से लगा लिया। उस दिन वह पहली बार फूट-फूटकर रोया, क्योंकि दुनिया का सबसे महंगा तकिया वही होता है, जिसमें रुई नहीं, अधूरी प्रतीक्षाएं भरी हों। रश्ते अभाव से नहीं, उपेक्षा और प्रतीक्षा से दम तोड़ते हैं।



ऑनलाइन शॉपिंग का बढ़ता ट्रेंड ऑफर-रिटर्न ट्रैप से रहें सावधान

फेस्टिव सीजन के साथ ही जमकर शॉपिंग भी शुरू हो जाती है। इसी के चलते ऑनलाइन शॉपिंग में ऑफर्स और कई लालच दिए जाते हैं। इसको अच्छी तरह समझना और इसके जाल में फंसने से बचने के लिए सावधानी जरूरी है।

लाइफस्टाइल / विवेक कुमार

कभी बाजार जाने के लिए समय निकालना पड़ता था, दुकान-दुकान घूमना पड़ता था, फिर भी मनपसंद चीज मिलेगी या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं होती थी। अब वही खरीदारी मोबाइल स्क्रीन पर कुछ मिनटों में ही हो जाती है। कपड़ों से लेकर कॉस्मेटिक, किचन का सामान, जूते, बैग, बच्चों की चीजें और रोजमर्रा का राशन तक घर बैठे मंगाया जा सकता है। इससे महिलाओं को बहुत सुविधा हुई है। लेकिन इस सुविधा में नई तरह की चुनौतियां और फंसाने वाले जाल भी मौजूद होते हैं।

ऑफर के लालच से बचें: ऑनलाइन बाजार में ग्राहक को आकर्षित करने के लिए लगातार सेल, कूपन, फ्लैश डील, आज आखिरी मौका, सिर्फ दो पीस बाकी, मुफ्त डिलिवरी जैसे संदेश बार-बार इस तरह दोहराए जाते हैं कि आपके दिमाग में बैठ जाएं। ऐसे में कई बार हमें जरूरत नहीं होती, फिर भी हम ढेर सारी चीजें खरीद लेते हैं। क्योंकि ऑनलाइन खरीदारी में एक ध्रम यह बना दिया गया है कि यहां सब कुछ बहुत सस्ता मिल रहा है। ऐसे में लोग सोचते हैं, जब 40 फीसदी तक सस्ता है, तो खरीद ही लेना चाहिए। लेकिन जब हमें किसी चीज की जरूरत न हो, तो उसकी खरीदारी बचत नहीं बल्कि एक तरह का खर्च होता है। इसलिए किसी भी डील को देखकर सबसे पहले खुद से पूछना चाहिए, अगर इस पर छूट नहीं होती, तो क्या मैं इसे खरीदता? अगर जवाब नहीं है, तो इसका मतलब है खरीदारी की जरूरत नहीं थी, बस विज्ञापन के प्रभाव में आकर खरीद लिया। एक बात और याद रखें ऑनलाइन खरीदारी में सबसे बड़ा आकर्षण तस्वीरों का होता है। शानदार रोशनी में खींची गई मॉडल की तस्वीर देखकर कोई ड्रेस बेहद खूबसूरत लग सकती है। लेकिन वास्तविक उत्पाद का रंग, कपड़े की गुणवत्ता या फिट का आकार जरूरी नहीं कि अच्छा ही हो। इसलिए केवल तस्वीर

शॉपिंग में सबसे जरूरी है रिटर्न पॉलिसी। ऑनलाइन खरीदारी की सबसे बड़ी भूल है कि उत्पाद खरीदने से पहले रिटर्न पॉलिसी न पढ़ना। कई उत्पादों पर रिटर्न उपलब्ध नहीं होता। कुछ पर केवल रिफ्लेसमेंट होता है। जबकि कुछ में रिफंड के लिए विशेष शर्तें होती हैं। कपड़े, कॉस्मेटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुओं के निमग्न अलग-अलग हो सकते हैं। इसलिए भुगतान करने से पहले यह देखना चाहिए कि उत्पाद वास्तव में रिटर्न किया जा सकता है या नहीं। कितने दिनों के भीतर किया जा सकता है और रिफंड किस माध्यम से मिलेगा? सही प्लेटफॉर्म चुनें: सस्ती कीमत देखकर किसी अनजान वेबसाइट पर तुरंत भुगतान करना जोखिमभरा हो सकता है। वेबसाइट का नाम, संपर्क, जानकारी, रिटर्न नीति और भुगतान का विकल्प देखकर ही खरीदारी करनी चाहिए।*

लघुकथा / कृति आर.के. जैन

कार्य प्रगति पर है !



किसी तरह अपनी हंसी पर नियंत्रण कर उन्हें बाहर निकाला। वे रुआंसी होकर कीचड़ से सने हुए कपड़े धारण किए घर में प्रविष्ट हुईं। अभी दो दिन पहले ही एक नवयुवक बाइक सवार मोबाइल पर अपनी प्रेयसी से बात करने में इतना मशगूल हुआ कि अपनी स्टायलिश बाइक समेत नालीदर्शन को प्रवेश कर गया। बमुश्किल लोगों ने उसको बाहर निकाला। इस तरह की तमाम घटनाएं लगातार होती रहती हैं। कार्य में प्रगति भले न के बराबर हो लेकिन आते-जाते लोगों को 'कार्य प्रगति पर है' का बोर्ड जरूर दिखाई पड़ता है।

सड़क निर्माण में विलंब को पक्ष और विपक्ष के नेता आपदा में अवसर के रूप में देखते हैं। वे नेता जो चार साल पहले चुनावी रण में धूल चाट चुके थे, वे एक लंबे अंतराल के बाद अपने पंख फड़फड़ा कर मुद्दा लपकने की चेष्टा में जुट जाते हैं, ताकि उनकी राजनीतिक बेरोजगारी दूर हो सके। वहीं सत्तासीन नेता यह प्रयास करते हैं कि सड़क निर्माण कार्य चुनाव के ठीक पहले ही पूर्ण हो, ताकि उनके अपने क्षेत्र में विकास कार्यों की फेहरिस्त में इसे जोड़ा जा सके और वोट पाने के जरिए को और मजबूत किया जा सके।*

पुस्तक रचा / विज्ञान मृण्ण

कविता के आकाश में स्त्री चेतना के स्वर

कवित्री आरती आस्था का पांचवां कविता संग्रह 'छत पर लड़कियां' कुछ समय पूर्व प्रकाशित हुआ है। इन कविताओं की रंज बहुत बड़ी ही नहीं बहुस्तरीय भी है। यहां सदियों से पितृसत्तात्मक सोच वाले समाज में पली-बढ़ी स्त्री की दारुण व्यथा के साथ ही स्त्री चेतना का वह स्वर भी गुंजाता है, जो हर अनुचित प्रतिबंध को अस्वीकारता है। 'छत पर खड़ी लड़कियां' देखते हुए डूबते सूरज को/सीखती हैं, डूबना नहीं है डूबना/यह प्रक्रिया भर है/दोबारा से उगने की।' जैसी पंक्तियां यह साबित करती हैं कि स्वतंत्रचेता स्त्री प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हार मानने के बजाय नई उड़ान भरने को तत्पर रहती है। 'बिंदी और सिंदूर' कविता एक ऐसा बिंब उकेरती है, जो पारंपरिक प्रतीकों को भी नए संदर्भ में परिभाषित करती है। यहां स्पष्ट होता है कि आज स्त्री अपने अस्तित्व को स्वीकारने में जरा भी नहीं हिचकिचाती है। स्त्री की सोच में आए क्रांतिकारी

बदलाव को संग्रह की कई अन्य कविताओं में स्पष्ट तौर पर लक्षित कर सकते हैं। 'मी लॉर्ड! मुझे न्याय दीजिए' कविता में वह कहती हैं, 'मैंने कल्ल कर दिया/मी लॉर्ड/उस लड़की का/परंपराओं, संस्कारों के हवन कुंड में/हम किए दे रही थी जो/खुद को/रखने के झूठा मान/घर परिवार का।' 'सुनो नादिया' जैसी कविता को शामिल करने से इस संग्रह की कविताओं का कैनवास और भी विस्तारित हो गया है। इससे भारतीय समाज में शोषित-दमित होकर जीने वाली स्त्रियों के स्वर में वैश्विक आधी आबादी का स्वर भी घुलता-मिलता नजर आता है। कह सकते हैं कि आरती आस्था के इस कविता संग्रह में स्त्री जीवन की अनेक छवियां उजागर हुई हैं।*

पुस्तक: छत पर लड़कियां (कविता संग्रह), लेखिका: आरती आस्था, मूल्य: 299 रुपये, प्रकाशक: न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

कांग्रेस ने 'एक्स' पर लिखा

हवाओं का रुख बदल रहा है, देश में चल रही है आंधी छात्रों की गूंज से एक्जाम सिस्टम हिला रहे राहुल गांधी

कार्यक्रम में आए लोगों को फ्री में 'इंदौरी पोहे' प्रेषित किए, जिसका छात्रों ने स्वाद चखा।

एशियाई खेलों का रंगारंग उद्घाटन

मार्च पास्ट में नेवी ब्लू का जलवा

स्टार निशानेबाज मनु भाकर और कबड्डी खिलाड़ी पवन सहरावत की अगुवाई में भारत ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच खिलाड़ियों की परेड में प्रवेश किया। गहरे नीली (नेवी ब्लू) साड़ी और बंदंगले की औपचारिक जैकेट पहने मनु दर्शकों का अभिवादन करती नजर आई। उन्होंने सहरावत के साथ 150 सदस्यीय भारतीय दल की अगुवाई की। भारतीय पुरुष खिलाड़ियों ने भी गहरे नीले रंग की बंदंगले की औपचारिक जैकेट और उससे मेल खाती पतलून पहनी थी।



टेबल टेनिस : मानव-मानुष से पदक की उम्मीद

मानुष शाह और मानव ठक्कर की विश्व में तीसरे नंबर की पुरुष युगल जोड़ी के नेतृत्व में आत्मविश्वास से भरी भारतीय टेबल टेनिस टीम रविवार को एशियाई खेलों में अपना अभियान शुरू करेगी और उसका लक्ष्य कम से कम एक पदक जीतना है। भारतीय पुरुष टीम गुपु एफ के अपने पहले मैच में इंडोनेशिया का सामना करेगी और

रविवार को अपने दूसरे मैच में ईरान के खिलाफ खेलेगी। महिला टीम को भी गुपु एफ में रखा गया है और वह इंडोनेशिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। दिन के दूसरे मैच में उसका सामना सिंगापुर से होगा। पिछले एशियाई खेलों में भारत ने महिला युगल जोड़ी सुनीथ मुखर्जी और आरिका मुखर्जी के दम पर कांस्य पदक जीता था।

एजेंसी
 ►►
 सियोल

दक्षिणेश्वर सुरेश और श्रीराम बालाजी ने युगल मुकाबले में उई-सुंग पार्क और जी-सुंग नाम को हराकर डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट में दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारत की जीत की उम्मीदों को जीवंत रखा।

मुकाबला के पहले दिन शुक्रवार को दोनों एकल मैच गंवाने के कारण 0-2 से पिछड़ने के बाद भारत को कुछ अलग करने की जरूरत थी। उसने निकी पूनाचा की जगह दक्षिणेश्वर को बालाजी के साथ कोर्ट पर उतारा और उसका यह फैसला सही साबित हुआ। इन दोनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6-3 3-6 6-3 से जीत हासिल की।



एजेंसी
 ►►
 ऑकैंडैड

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रविंद्र एक नए मुख्य जूनियर चयनकर्ता और वेस्ट जोन के प्रतिनिधि बन सकते हैं, जबकि जैदी सेंट्रल जोन से जूनियर चयनकर्ता बन सकते हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ बांग्लादेशी टीम का ऐलान



नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद को इस टेस्ट के लिए आमंत्रित किया गया है। दोनों टीमों के बीच यह टेस्ट मुकाबला 9 से 13 अक्टूबर तक खेला जाना है। तस्कीनी के अलावा, विकेटकीपर बल्लेबाज अमिते हसन को भी टीम में शामिल नहीं किया गया है। जेक अली और तौहीद हदय की टीम में वापसी हुई है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लिटस दास के खेलने पर संशय को देखते हुए जेकर अली को बैकअप के तौर पर टेस्ट टीम में शामिल किया गया था।

एजेंसी
 ►►
 नई दिल्ली

पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर चल रहा विवाद और 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई)' के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के साथ बढ़ते मतभेद एकदिवसीय विश्व कप 2027 से पहले सीनियर चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के बीच रिश्ते टूटने की प्रमुख वजह बने।

अगरकर के जाने की पटकथा उस समय लगभग लिखी जा चुकी थी, जब इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन की समीक्षा के लिए मुंबई में बुलाई गई अहम बैठक से उन्होंने दूरी बना ली।

रोहित का विवाद और लक्ष्मण से अनबन बनी विदाई की वजह

वर्ल्ड कप से पहले अगरकर और बीसीसीआई के रिश्ते में दरार

एजेंसी
 ►►
 नई दिल्ली



सैकिया ने किया अगरकर का बचाव

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने भले ही उनका बचाव किया, लेकिन बोर्ड के भीतर एक वर्ग का मानना था कि इतनी महत्वपूर्ण बैठक में चयन समिति के अध्यक्ष की मौजूदगी जरूरी थी। अगरकर विश्व कप तक पद पर बने रहने के हथकूट थे, लेकिन पिछले एक महीने में बीसीसीआई की ओर से लगातार ऐसे संकेत मिल रहे थे कि बोर्ड अब चयन समिति में नए चेहरे की तलाश कर रहा है। आम तौर पर बोर्ड ऐसे चयनकर्ता को इतनी आसानी से नहीं हटाता, जिसकी अगुआई वाली समिति ने पिछले तीन वर्षों में सीमित ओवरों की चार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनलों में पहुंचने वाली टीम चुनी हो। और उनमें से तीन में खिताब भी जीते हो।

रचिन चोटिल, भारत के खिलाफ खेलने पर संशय



एजेंसी
 ►►
 ऑकैंडैड

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रविंद्र एक नए मुख्य जूनियर चयनकर्ता और वेस्ट जोन के प्रतिनिधि बन सकते हैं, जबकि जैदी सेंट्रल जोन से जूनियर चयनकर्ता बन सकते हैं।



चोट का आकलन किया गया, जो गंभीर नहीं है लेकिन चोट से उबरने की प्रक्रिया के दौरान उनकी प्रगति से ही पता चल पाएगा कि वह कब तक वापसी कर पाएंगे। न्यूजीलैंड 22 अक्टूबर से 1 नवंबर तक 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के लिए भारत की मेजबानी करेगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि यह अब भी 'अस्पष्ट' है कि रविंद्र सीरीज के लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं।

रविंद्र की वापसी में जल्दबाजी नहीं

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि टीम अपने व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए रविंद्र की वापसी में जल्दबाजी नहीं करेगी। वाल्टर ने कहा, 'हमारा अगले छह महीनों में टेस्ट क्रिकेट में व्यस्त कार्यक्रम होने के कारण हम रचिन की वापसी को लेकर जल्दबाजी नहीं करना चाहते हैं।'

पिछड़ने के बाद हासिल की जीत

भारत ने इससे पहले केवल दो बार, 2010 और 2018 में, डेविस कप मुकाबले में 0-2 से पिछड़ने के बाद जीत हासिल की है। यह कारनामा फिर से करने के लिए भारत को अब दोनों उलट एकल मैच जीतने होंगे। भारत के नंबर एक खिलाड़ी सुमित नागल पर सारा दायित्व है, जिन्हें पहले उलट एकल मैच में कोरिया के शीर्ष के खिलाड़ी सुनवू क्वोन को हराना होगा। भारत ने पहले सेट में शुरू से ही अपने इरादे जतला दिए थे।

जायसवाल को मिले मौका : इरफान

वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 सितंबर से वनडे सीरीज का आगाज

एजेंसी
 ►►
 नई दिल्ली

पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने यशस्वी जायसवाल का समर्थन करते हुए उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में मौका देने की वकालत की है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज 27 सितंबर से होना है।

जायसवाल भारत के बैकअप ओपनर रहे हैं और उन्हें मिले सीमित मौकों में उन्होंने काफी प्रभावित किया है। भारत 27 सितंबर से घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलने जा रहा है। ऐसे में पठान यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि



भारतीय टीम मैनेजमेंट बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को कैसे मौके देता है, ताकि वनडे वर्ल्ड कप 2027 से पहले उनकी लय बनी रहे। पठान ने 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में कहा, इस सीरीज में एक खिलाड़ी पर मेरी नजर रहेगी। वह यशस्वी जायसवाल है।

रोहित के भविष्य को लेकर पैदा हुई दरार

भारत ने इस दौरान को टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की। अगरकर और बीसीसीआई के बीच रिश्तों में असली दरार रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर पैदा हुई। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे भूखला से ठीक पहले तत्कालीन चयन समिति ने टीम प्रबंधन और बीसीसीआई के शीर्ष पदाधिकारियों के साथ मिलकर लॉर्ड्स वनडे के बाद रोहित को वनडे टीम से आगे बढ़ने का संकेत देने का फैसला किया था। यह फैसला सामूहिक था और रोहित तक बात पहुंचने की जिम्मेदारी दक्षिण क्षेत्र के चयनकर्ता प्रह्लाद ओझा को दी गई, जो रोहित के करीबी मित्रों में माने जाते हैं। रोहित 2027 वनडे विश्व कप खेलना चाहते हैं और उन्हें यह संदेश पसंद नहीं आया। उन्होंने एक प्रभावशाली बोर्ड पदाधिकारी से बात कर चयन समिति के अध्यक्ष के रवैये पर अपनी नाराजगी जाहिर की। मामला तब और पेचीदा हो गया, जब बीसीसीआई ने लॉर्ड्स वनडे के बाद रोहित के संन्यास की अटकलों को खारिज करते हुए सार्वजनिक बयान जारी कर दिया।

नागोया के आसमान में चमका भारत मनु और सहरावत ने लहराया तिरंगा

एजेंसी
 ►►
 नागोया

जापान ने शनिवार को एशियाई खेलों के सादगीपूर्ण लेकिन रंगारंग उद्घाटन समारोह में अपनी तकनीकी और औद्योगिक ताकत के साथ-साथ समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की अव्यवस्थाओं और लॉजिस्टिक्स समस्याओं के बीच एक उम्मीद की किरण दिखाई। अगले 15 दिनों तक 45 देशों के करीब 11,000 खिलाड़ी 43 खेलों और 71 स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे। इस दौरान कुल 469 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबला होगा और खेलों का समापन 4 अक्टूबर को होगा। बास्केटबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट समेत कुछ अन्य खेलों की स्पर्धाएं पहले ही शुरू हो चुकी हैं। 'हार्मोनिक हार्ट बीट' थीम के साथ जापान ने अपने इतिहास में तीसरी बार एशियाई खिलाड़ियों का स्वागत किया। इससे पहले 1958 में तोक्यो और 1994 में हिरोशिमा में एशियाई खेलों का आयोजन हुआ था।

'वन एशिया' की थीम मुख्य आकर्षण

उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण दिल के आकार का मुख्य मंच रहा, जिसे 'वन एशिया' की थीम को दर्शाने के लिए तैयार किया गया था। यह पूरे महाद्वीप के खिलाड़ियों और लोगों के एक-दूसरे से दिल से जुड़ने का प्रतीक था। 30 हजार दर्शकों की क्षमता वाले खचाखच भरे मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित इस शानदार समारोह में आइची की औद्योगिक तकनीक और पारंपरिक कला का अनूठा मेल देखने को मिला।



सटीक निशाना लगाने के लिए तैयार मनु और नीरू

ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर की अगुवाई में भारतीय निशानेबाज रविवार को एशियाई खेलों में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे, जिसमें उन्हें चीन से कड़ी चुनौती मिलने की संभावना है। निशानेबाजी में भारत का 30 सदस्यीय दल भाग ले रहा है और उनसे पिछले एशियाई खेलों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद जा रही है। हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजों ने रिकॉर्ड 22 पदक (सात स्वर्ण, नौ रजत और छह कांस्य) जीते थे। भारतीय टीम में कई ओलंपियन और विश्व स्तरीय खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें से कुछ को बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलने का अनुभव है। लेकिन सबकी निगाहें निश्चित रूप से मनु पर होंगी, जो पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक हासिल करने के बाद एशियाई खेलों में अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करेंगी।

भारत- बांग्लादेश के बीच मिडंत आज



महिला क्रिकेट

निशिन। मौजूदा चैंपियन भारत रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले एशियाई खेलों के सेमीफाइनल मैच में अपने आक्रमक तेवर बरकरार रखकर दबाव बनाने की कोशिश करेगा। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ इस प्रारूप में अपना दबदबा बनाए रखा है और उसने पिछले नौ मुकाबलों में जीत हासिल की है, जिसमें पिछले साप्ताह एशिया कप में 40 रन की जीत भी शामिल है। बांग्लादेश के हाथों उसे टी20 में आखिरी बार तीन साल पहले हार का सामना करना पड़ा था। बांग्लादेश की टीम भारत पर दबाव बनाने के लिए अपने रिस्कों पर निर्भर रहेगी। बांग्लादेश को अगर भारत के बल्लेबाजों पर दबाव बनाना है तो नाहिदा अख्तर और रबिया खान जैसी गेंदबाजों की अच्छा प्रदर्शन करना होगा। वे पिव से मिलने वाली किसी भी मदद का फायदा उठाते और भारत के आक्रमक शीर्ष क्रम को नियंत्रण में रखने की कोशिश करेंगी।

मैच का समय सुबह 10:30 बजे

भारत को जापान से मिल सकती है चुनौती

पिछले एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम रविवार को अपने अभियान की शुरुआत बांग्लादेश की खिलाफ करेगी जबकि महिला टीम कजाकिस्तान से भिड़ेगी। टीम प्रतियोगिता के बाद 25 सितंबर से व्यक्तिगत स्पर्धाएं होंगी। भारत को 2023 ने हांगझोऊ में सात्विकसाईंरंजन रंकोरेड्डी और चिराग शेट्टी ने पुरुष युगल में स्वर्ण पदक दिलाया था। इसके अलावा भारत ने पुरुष टीम स्पर्धा में रजत और पुरुष एकल में एचएस प्रणय के शानदार प्रदर्शन से कांस्य पदक भी जीता था। भारतीय पुरुष टीम रजत पदक को स्वर्ण पदक में बदलने का लक्ष्य रखेगी, जबकि महिला टीम 2014 में इंचियोन में कांस्य पदक जीतने के बाद दूसरा टीम पदक हासिल करने की कोशिश करेगी।



टेकबॉल : सेमीफाइनल में हारी विवम्वी

भारत की विवम्वी डिसूजा एशियाई खेलों की टेकबॉल महिला एकल सेमीफाइनल स्पर्धा में इंडोनेशिया की सुमाया के खिलाफ जुझारू प्रदर्शन करने के बावजूद हार गई और अब कांस्य पदक के लिये खेलेंगी। विवम्वी ने शुरुआती बढ़त बनाई लेकिन लय कायम नहीं रख पाई और 12-7, 9-12, 7-12 से हार गई। विवम्वी अब रविवार को कांस्य पदक का प्लेआफ खेलेंगी। विवम्वी ने अपनी लंबे कद का पूरा फायदा उठाते हुए बार-बार सटीक स्मैश लगाए। घुमावदार टेबल से उनकी नीची और स्लाइडिंग सर्व ने सुमाया को दबाव में रखा। उन्होंने पहला गेम 12-7 से आसानी से जीत लिया लेकिन दूसरे गेम में कहानी एकदम से बदल गई। यह खेल सेपक टकरा (पॉव से बॉलीबॉल खेलने जैसा) से मिलता है और सुमाया सेपक टकरा की खिलाड़ी रही है, जिसका उम्रहें फायदा मिला। सुमाया ने तेजी दिखाई और विवम्वी को हर अंक के लिए कड़ी टक्कर दी। उन्होंने भारतीय खिलाड़ी की रैलियों में उलझाया।



हॉकी: नई शुरुआत करेगी भारतीय टीम

काकामिगाहारा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम हाल ही में विश्व कप में मिली निराशा को भुलाकर एशियाई खेलों में रविवार से शुरू होने वाली हॉकी प्रतियोगिता में अपने खिताब का बचाव करने में किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेगी जबकि महिला टीम भी स्वर्ण पदक जीतकर ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने के लक्ष्य के साथ मैदान पर उतरेगी। भारत को मेजबान जापान, कोरिया, बांग्लादेश, श्रीलंका और इंडोनेशिया के साथ पूल ए में रखा गया है, जबकि पूल बी में पाकिस्तान, मलेशिया, चीन, ओमान, उज्बेकिस्तान

और थाईलैंड शामिल हैं। भारत अपने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया के खिलाफ करेगा। वह इस मैच में बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगा।

पूल बी में महिला हॉकी टीम

भारतीय महिला हॉकी टीम को पूल बी में उज्बेकिस्तान, इंडोनेशिया, थाईलैंड, जापान और सिंगापुर के साथ रखा गया है। भारतीय टीम उज्बेकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी, जिसमें वह बड़ी जीत हासिल करना चाहेगी।

भारत का अंतिम-8 में जगह बनाने का टूटा सपना

एजेंसी
 ►►
 सियोल

डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट में सुमित नागल पहले उलट एकल के मैच में सुनवू क्वोन से हार गए। इस तरह से कोरिया ने 3-1 से जीत हासिल करके यह मुकाबला अपने नाम कर दिया। नागल को करो या मरो वाले मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की जरूरत थी, लेकिन भीषण गर्मी में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा और उन्हें कोरिया के नंबर एक खिलाड़ी क्वोन से 1-6, 2-6 से हार का सामना करना पड़ा।



नागल का लय हासिल करने के लिए संघर्ष

नागल लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते रहे और कोरियाई खिलाड़ी ने पहला सेट आसानी से 6-1 से जीत लिया दूसरे सेट में कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद नागल उस तरह की वापसी करने में असमर्थ रहे, जो उनकी खसियत है। भारत को अब क्वालीफाईंग राउंड एक में खेलना होगा। यह मैच कप्तान रोहित राजपाल का डेविस कप में आखिरी मैच भी हो सकता है, जिनका अनुबंध दिसंबर 2026 तक है।

आज एशियाड के लिए जापान रवाना होंगे क्रिकेटर

टीम इंडिया की किट पर पेंच



एजेंसी
 ►►
 नई दिल्ली

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के सदस्य एशियाई खेलों के लिए अब भी सही साइज की किट का इंतजार कर रहे हैं जबकि उन्हें रविवार तड़के जापान रवाना होना है।

खिलाड़ियों की जर्सी को लेकर बीसीसीआई और भारतीय ओलंपिक संघ के किट उपलब्ध कराने वाले जेएसडब्ल्यू इंसपयर के

बीच बातचीत हुई है। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम रविवार तड़के राष्ट्रीय राजधानी से रवाना होने वाली है। भारतीय खिलाड़ी 22 सितंबर को जापान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपनी मानक पोशाक पहनेंगे।

इसके बाद वे 28 सितंबर से शुरू होने वाली क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए एशियाई खेलों की आधिकारिक पोशाक पहनेंगे।

खिलाड़ियों को दो अलग-अलग ड्रेस की जरूरत

आईओए के सूत्र ने बताया, 'क्रिकेटर्स की पोशाक के साइज में कुछ समस्या थी, जिसे काफी हद तक ठीक कर लिया गया है। कुछ किटें बची हैं और उन्हें जल्द ही टीम को भेज दिया जाएगा। खिलाड़ियों को दो अलग-अलग पोशाक की जरूरत है (एक द्विपक्षीय मैचों के लिए और दूसरी एशियाई खेलों के लिए), इसलिए ऐसा हुआ होगा।' इस बीच नागोया में अन्य भारतीय खिलाड़ियों को आवास मिलने में हो रही देरी को देखते हुए बीसीसीआई ने स्वयं होटल की व्यवस्था करने का फैसला किया है।

महिला टीम को आवास समस्या नहीं

भारतीय महिला टीम हालांकि आईओए के उपलब्ध कराए आवास में रह रही है। महिला टीम के ठहरने की व्यवस्था में किसी तरह की समस्या नहीं आई। आयोजकों ने पुरुष टीम के लिए जो कमरे उपलब्ध कराए उनमें किट बैग रखने की भी जगह नहीं थी।



कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्यूक सच्ची सहेली में हैं **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in



67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

कठिन दर्द

चिड़चिड़ापन

थकान

कमजोरी

कमर कटना

इम्यूनिटी



सतना में भी सिंचाई के लिए नहरों से लाया जाएगा नर्मदा का पानी, बड़ेगा सिंचाई का रकबा प्रदेश के किसानों की आय बढ़ाने सिंचाई के लिए दिन में 10 घंटे मिलेगी बिजली

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों को सिंचाई के लिए दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ पशुपालन को प्रोत्साहित किया जाएगा।

किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध कराकर आधुनिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों की ओर से उत्पादित धान की शासकीय स्तर पर खरीदी सुनिश्चित की जाएगी। सीएम ने सतना कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम को उज्जैन से वरुणाली संबोधित किया। उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है। किसानों और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सतना बेल्ट में भी सिंचाई के लिए नर्मदा का पानी लाया जाएगा। नहरों से सिंचाई का रकबा बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि केन-बेतवा लिंक परियोजना से मंदकिनी नदी में भी पानी पहुंचाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इससे क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने में सहायता मिलेगी।

खास बातें

- नहरों से सिंचाई का रकबा बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे
- मुख्यमंत्री ने सतना में बलराम कृषि महोत्सव को उज्जैन से वरुणाली किया संबोधित



सतना क्षेत्र में हल्दी का उत्पादन प्रचुर मात्रा में होता है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सतना क्षेत्र में हल्दी का उत्पादन प्रचुर मात्रा में होता है। क्षेत्र की कृषि क्षमता को देखते हुए मसाला फसलों की खेती को भी प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे किसानों को विविध फसलों के माध्यम से अतिरिक्त आय के अवसर मिल सकें। सतना में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र, मझगांव के वैज्ञानिकों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, कृषि अभियांत्रिकी, सहकारिता सहित विभिन्न योजनाओं एवं तकनीकी गतिविधियों की जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री ने प्रगतिशील किसानों से किया संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सतना के ग्राम सोहावल के किसान शांतिनारायण पांडे से संवाद किया। किसान पांडे ने मिल्क प्रोसेसिंग युनिट की स्थापना और उसके संचालन के संबंध में बताया। मुख्यमंत्री ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए अन्य किसानों से भी कृषि के साथ पशुपालन एवं दुग्ध व्यवसाय से जुड़ने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने ग्राम झरी मझगांव के प्रगतिशील कृषक अनिल उपाध्याय से भी संवाद किया। उपाध्याय जैविक खेती के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने उनका उत्साहवर्धन करते हुए जैविक एवं प्राकृतिक कृषि को अधिक से अधिक किसानों को जोड़ने का आह्वान किया।

कलियासोत डैम के दो गेट खुले...



भदमदा का एक गेट खुला

भोपाल। शहर और आसपास के क्षेत्रों में हुई बारिश के बाद शनिवार को कलियासोत डैम के दो और भदमदा डैम का एक और गेट खोला गया। बारिश के कारण बड़े तालाब का जलस्तर बढ़ने से भदमदा डैम और कलियासोत डैम के गेट खोले गए हैं। बारिश के चलते जलस्तर तेजी से बढ़ने के कारण पानी को निकालना पड़ा।

मार्शल आर्ट में गरिमा यादव ने जीता गोल्ड

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

गरिमा यादव पुत्री राजकुमार यादव ने एसक्यूएआई मार्शल आर्ट स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। भोपाल एकेडमी, नवीन नगर में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय मार्शल आर्ट स्पर्धा में गरिमा ने जूनियर वर्ग की 37 किलोग्राम श्रेणी में गोल्ड मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और खेल जगत में खुशी का माहौल है। एसक्यूएआई एसोसिएशन द्वारा जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर मार्शल आर्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इन प्रतियोगिताओं में



जूनियर और सीनियर वर्ग के साथ पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। नवीन नगर स्थित भोपाल एकेडमी में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भी विभिन्न आयु और भार वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। गरिमा ने अपने मुकाबलों में बेहतर तकनीक और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

70वीं राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता का समापन बालक और बालिका वर्गों में भोपाल रहा प्रथम, इंदौर ने दूसरा स्थान हासिल किया

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल,

70वीं राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता 17 वर्ष बालक एवं बालिका वर्ग का समापन समारोह डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कोलार खेल परिसर भोपाल में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समापन समारोह में अंतरराष्ट्रीय जुड़ो खिलाड़ी एवं विश्वामित्र अर्वाडी

टिनी तारे, सहायक संचालक, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा संजय शर्मा, सहायक संचालक खेल, संयुक्त संचालक कार्यालय, भोपाल संभाग, भोपाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न संभागों से खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। रोमांचक मुकाबलों के उपरांत 17



वर्ष बालक वर्ग में भोपाल ने प्रथम, इंदौर ने द्वितीय तथा सागर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, 17 वर्ष बालिका वर्ग में भोपाल प्रथम, इंदौर द्वितीय तथा उज्जैन तृतीय स्थान पर रहा। समापन समारोह में अतिथियों द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता का सफल आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी, जिला भोपाल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

सुरक्षा व्यवस्था से लेकर बंदी सुविधाओं का लिया जायजा

मुकेश चन्द ने जेल प्रशासन को व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन के लिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

जेल विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश चन्द गुप्ता ने गुरुवार को सर्किल जेल रतलाम का आकस्मिक निरीक्षण कर जेल की सुरक्षा व्यवस्था, बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने जेल प्रशासन को व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन तथा बंदियों की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।



निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने जेल के मुख्य द्वार की सुरक्षा व्यवस्था एवं सीसीटीवी कंट्रोल रूम का अवलोकन किया। इसके साथ ही जेल अस्पताल एवं नशामुक्ति वार्ड का भ्रमण कर बीमार

बंदियों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने जेल चिकित्सक से बंदियों को उपलब्ध कराए जा रहे उपचार एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी लेने के साथ अस्पताल में उपलब्ध औषधियों का भी निरीक्षण किया। गुप्ता ने जेल में निरुद्ध बंदियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से न्यायालयीन पेशी की व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने बंदियों के लिए संचालित इनकमिंग टेलीफोन बुथ एवं मुलाकात सुविधा के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

जेल स्कूल एवं लाइब्रेरी का लिया जायजा

प्रमुख सचिव ने जेल स्कूल एवं लाइब्रेरी का निरीक्षण करते हुए बंदियों के लिए उपलब्ध शैक्षणिक एवं वठन-पाठन संबंधी सुविधाओं का जायजा लिया। जेल लाइब्रेरी में उपलब्ध धार्मिक पुस्तकों का अवलोकन कर उन्होंने इस व्यवस्था पर प्रसन्नता व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान गुप्ता ने पुरुष बंदी वार्ड एवं महिला वार्ड का भ्रमण कर बंदियों से सीधे संवाद किया तथा उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने बंदियों को उनकी समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। निरीक्षण के अंत में प्रमुख सचिव जेल विभाग मुकेश चन्द गुप्ता ने सर्किल जेल रतलाम में विराजित गणेश जी की पूजा-अर्चना की।

आबकारी अमला नहीं कर रहा निगरानी, शौकीनों को नुकसान एमपीआरपी से अधिक दाम पर बेच रहे शराब के चुनिंदा ब्रांड, चल रही मनमानी

शराब तस्करों ने भी शराब दुकानों से ही शराब खरीदने की बात की स्वीकार

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

राजधानी में शराब की दुकानों पर मनमानी चल रही है। शराब की दुकानों पर शासन की तय कीमत से अधिक पर शराब बेची जा रही है। लेकिन आबकारी विभाग इन पर कार्रवाई नहीं कर रहा है। विभाग की जांच में भी यह बात सामने आ चुकी है। देशी और विदेशी शराब को एक जगह बेचने से यहां से शराब की कालाबाजारी की जा रही है। पकड़े जा रहे शराब तस्करों ने भी शराब दुकानों से ही शराब खरीदने की बात स्वीकार की है। राजधानी में कंपोजिट दुकानें खुलने के बाद से जगह-जगह शराब की शोरूम जैसी दुकानें

आसानी से देखी जा सकती है, जो इसके पहले नहीं दिखती थीं। आबकारी की कंपोजिट दुकानों पर एक ही रेट की शराब अधिकतर जगह मिलेगी। जो शराब व बीयर के ब्रांड ज्यादा चलते हैं, उनपर एमआरपी से भी ज्यादा दाम वसूले जा रहे हैं। यह एमआरपी से पचास से सौ रूपए तक ज्यादा वसूल किया जाता है। शहरी दुकानों में ऐसे मुख्य ब्रांडों को चिन्हित कर एक ही रेट ठेकेदारों द्वारा लागू कर दिया जाता है। ऐसे में ग्राहक की मजबूरी बन जाती है कि उसे अपना निर्धारित ब्रांड चाहिए तो मनमाने दाम देना ही पड़ेंगे।

कर रहे कार्रवाई

शराब दुकानों पर मनमाने दाम में शराब बेचने की शिकायत पर आबकारी की टीम कार्रवाई करती है। हर दुकान पर आबकारी अधिकारियों का नंबर भी प्रदर्शित कराया गया है। औचक निरीक्षण भी किया जाता है। वर्षा उसके, प्रभारी जिला आबकारी कंट्रोल

रेट लिस्ट दिखावा, अमला कर रहा वसूली

शराब दुकानों पर रेट लिस्ट की लेकर पहले पूर्व आबकारी आयुक्त ने आदेश जारी किए थे और इसके बाद दुकानों पर रेट लिस्ट लगी, लेकिन अब यह सब गायब हो गया है। रेट लिस्ट इस तरह लगाई जाती है कि ग्राहकों को दिखे नहीं। विभाग के अफसर सब जानते हुए भी कार्रवाई नहीं करते। फोल्ड के अधिकारी दुकानों से हफ्ता वसूली करते नजर आते हैं।

सीएलआर से मिले तहसीलदार, पटवारी आज मंत्री से मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

वर्ष 2028 में होने वाले विधानसभा चुनाव में अपना दल एस मध्यप्रदेश में तीसरी ताकत बनकर उभरेगी। वहीं वर्ष 2027 में होने वाले नगर पालिका, नगर पंचायत, नगरीय निकाय और पंचायती राज्य के चुनाव में अपना दल यस पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगी। यह जानकारी शनिवार को आयोजित पत्रकारवार्ता में अपना दल यस के प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश महासचिव एसएस नागले, प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल जायसवाल, कोषाध्यक्ष मोहित गुप्ता, महासचिव सीताशरण सिंह ने दी। देवेंद्र प्रताप सिंह ने



वर्तमान में अपना दल यस का एनडीए से गठबंधन है। अगर भाजपा ने मप्र में विधानसभा, नगरीय और पंचायती चुनाव में बराबर की हिस्सेदारी नहीं मिली तो अपना दल एस स्वतंत्र चुनाव लड़ेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अनुशंसा से प्रदेश अध्यक्ष मान सिंह बिसेन की सहमति से मप्र में हम लोगों को दायित्व सौंपा है।



ORTHOPAEDIC MATTRESS

Spinal Support For Pain-Free Sleep

Consumer Offer

डा. ऑर्थो मैट्रेस खरीदें और Original Bill दिवसा हर्बल्ज़ प्राइवेट लिमिटेड के मो. नंबर: 8264822252 पर शेयर करें, और पाएं Worth ₹ 1,000/- का डा. ऑर्थो फ्री गिफ्ट हैम्पर



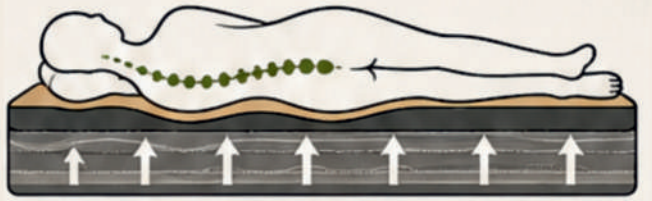
DR. ORTHO REGULAR

Size: 72"x72"x4" MRP: ₹ 12489/-



DR. ORTHO PREMIUM

Size: 72"x72"x5" MRP: ₹ 20800/-



Dr. Ortho Orthopaedic Mattresses are designed to give your body the perfect support and comfort it needs for a deep, pain-free sleep

Contact For Dealership: 85588 07777 • dealership@divisa.in

हरिभूमि कम्यूनिक्एशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अर्चित महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर ईस्ट/दिल्ल एस्टेट, गोंदिया, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पौबी-2, चतुर्थ तल, मांसरोवर कॉम्प्लेक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक: डॉ. हिरणु द्विवेदी। स्थानीय संपादक: प्रमोद भादनाज। RNI NO. MP/HIN/2014/55906, फ़ोन 0755-4049330